आई.एस.बी.एन. : 978.93.7029.527.8

वर्ष-3 अंक-28 अक्टूबर 2025

सेवा पथ

मासिक ई-पत्रिका

प्रकाशक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर-273007 (उ.प्र.)

Editors :

Dr. Akhilesh Kumar Dubey (Chief Editor)

Lieutenant (Dr.) Sandeep Kumar Srivastava (Co-Editor)

© **Editors**

Edition : 2025

Pages : 32

Size : A4

Paper Quality (GSM) : NIL (Only Electronic)

Published by :

Mahayogi Gorakhnath University Gorakhpur

Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur,

Uttar Pradesh-273007

Tel. : +9451520116, 7607592575

University Email-mguniversitygkp@mgug.ac.in

NSS Email-coordinator.nss@mgug.ac.in

NCC Email-ncc@mgug.ac.in

राष्ट्रीय एकता और अखंडता

भारत एक विशाल देश है जहां विभिन्न धर्म भाषाएं जातियां संस्कृतिया और परंपराएं पाई जाती हैं। इतनी विविधताओं के बावजूद सबको एक सूत्र में बांधने वाली भावना है राष्ट्रीय एकता। यह एकता ही हमारे राष्ट्र की शक्ति है और हमे दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रि देश के रूप में पहचान दिलाती है।राष्ट्रीय एकता का अर्थ है पूरे देश के नागरिकों का आपसी भईचारा परस्पर सहयोग और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानना। जब व्यक्ति समाज और राज्य सभी मिलकर एकजुट होते हैं और राष्ट्रीय विकास के लिए कार्यकरते हैं। तभी सच्ची राष्ट्रीय एकता स्थापित होती है। राष्ट्रीय एकता से देश में शांति और स्थिरता बनी रहती है। यह विदेशी शक्तियों के षडयंत्रों से देश की रक्षा करती है। एकता से ही देश का सामाजिक राजनीतिक और आर्थिक विकास संभव है। यह नागरिकों में भाईचारा और समरसता की भवना पैदा करती है।

उदाहरण : महात्मा गांधी के नेतृत्व में पूरे देश ने अंग्रेजों के खिलाफ खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष किया। खेल के मैदान पर जब भी भारतीय टीम खेलती है तो पूरा देश जाति धर्म भूलकर भारत माता की जय कहता है। जातिवाद भाषावाद और प्रांतीयता की भवना, धार्मिक कट्टरता और सांप्रदायिकता ,सामाजिक असमानता और आर्थिक विषमता यह सभी राष्ट्रीय एकता के मार्ग में बधाएं लाती हैं।राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ बनाने के लिए शिक्षा के मध्यम से भाईचारे की भावना विकसित करनी चाहिए। समाज में समानता और न्याय की स्थापना आवश्यक है। युवाओं को राष्ट्रीय एकता के महत्व के प्रति जागरूक करना चाहिए।

सरकार को ऐसी नीतियां बनानी चाहिए जो सभी वर्गों के हित में हो। एकता का अर्थ यह नहीं होता कि किसी विषय पर मतभेद ही न हो। मतभेद होने के बावजूद भी जो सुखद और सबके हित में है उसे एक रूप में सभी स्वीकार कर लेते हैं। एकता का अर्थ यह नहीं होता कि किसी विषय पर मतभेद ही न हो। मतभेद होने के बावजूद भी जो सुखद और सबके हित में है उसे एक रूप में सभी स्वीकार कर लेते हैं। राष्ट्रीय एकता से अभिप्राय है सभी नागरिक राष्ट्र प्रेम से ओत–प्रोत हों सभी नागरिक पहले भारतीय हों,फिर हिन्दू, मुसलमान या अन्य ।भारत विभिन्न संस्कृतियों,धर्मों और सम्प्रदायों का संगम स्थल है। यहां सभी धर्मों और सम्प्रदायों को बराबर का दर्जा मिला है। हिंदु धर्म के अलावा जैन,बौद्ध और सिक्ख धर्म का उद्भव यहीं हुआ है। अनेकता के बावजूद उनमें एकता है। यही कारण है कि सदियों से उनमें एकता के भाव परिलक्षित होते रहे हैं। शुरू से हमारा दृष्टिकोण उदारवादी है। हम सत्य और अहिंसा का आदर करते हैं।

हमारे मूल्य गहराई से अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं जिन पर हमारे ऋषि–मुनियों और विचारकों ने बल दिया है। हमारे इन मूल्यों को सभी धर्मग्रंथों में स्थान मिला है। चाहे कुरान हो या बाइबिल,गुरुग्रंथ साहिब हो या गीता, हजरत मोहम्मद, ईसा मसीह, गुरुनानक, बुद्ध और महावीर,सभी ने मानव मात्र की एकता,सार्वभौमिकता और शांति की महायात्रा पर जोर दिया है। भारत के लोग चाहे किसी भी मजहब के हों,अन्य धर्मों का आदर करना जानते हैं। क्योंकि सभी धर्मों का सार एक ही है। इसीलिए हमारा राष्ट्र धर्मनिरपेक्ष है।

एकता का अर्थ यह नहीं होता कि किसी विषय पर मतभेद ही न हो। मतभेद होने के बावजूद भी जो सुखद और सबके हित में है उसे एक रूप में सभी स्वीकार कर लेते हैं। राष्ट्रीय एकता से अभिप्राय है सभी नागरिक राष्ट्र प्रेम से ओत–प्रोत हों सभी नागरिक पहले भारतीय हों,फिर हिन्दू, मुसलमान या अन्य। भारत विभिन्न संस्कृतियों,धर्मों और सम्प्रदायों का संगम स्थल है। यहां सभी धर्मों और सम्प्रदायों को बराबर का दर्जा मिला है। हिंदु धर्म के अलावा जैन,बौद्ध और सिक्ख धर्म का उद्भव यहीं हुआ है। अनेकता के बावजूद उनमें एकता है। यही कारण है कि सदियों से उनमें एकता के भाव परिलक्षित होते रहे हैं। शुरू से हमारा दृष्टिकोण उदारवादी है। हम सत्य और अहिंसा का आदर करते हैं। हमारे मूल्य गहराई से अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं जिन पर हमारे ऋषि–मुनियों और विचारकों ने बल दिया है। हमारे इन मूल्यों को सभी धर्मग्रंथों में स्थान मिला है। चाहे कुरान हो या बाइबिल,गुरुग्रंथ साहिब हो या गीता, हजरत मोहम्मद, ईसा मसीह, गुरुनानक, बुद्ध और महावीर,सभी ने मानव मात्र की एकता,सार्वभौमिकता और शांति की महायात्रा पर जोर दिया है। भारत के लोग चाहे किसी भी मजहब के हों,अन्य धर्मों का आदर करना जानते हैं। क्योंकि सभी धर्मों का सार एक ही है। इसीलिए हमारा राष्ट्र धर्मनिरपेक्ष है।

अंकिता शर्मा
स्वयंसेविका, शिवाजी इकाई

राष्ट्रीय सेवा योजना

एकदिवसीय विशेष शिविर

मैत्रेयी इकाई

स्वास्थ्य परीक्षण करतीं स्वयंसेविकाएं

दिनांक : 05 अक्टूबर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की मैत्रेयी इकाई द्वारा ग्राम महराजगंज में द्वितीय एकदिवसीय विशेष शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया तथा ग्रामीण जनता ने उत्साहपूर्वक सहयोग किया।

शिविर के दौरान स्वयंसेवकों को चार अलग–अलग समूहों में विभाजित किया गया, ताकि हर विषय पर विशेष ध्यान दिया जा सके। पहला समूह "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" अभियान पर केंद्रित था। इस समूह ने ग्रामीणों को बालिकाओं की शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक किया। स्वयंसेवकों ने घर–घर जाकर महिलाओं और अभिभावकों को यह समझाया कि बेटी शिक्षित होगी तो पूरा परिवार प्रगति करेगा। उन्होंने बालिका शिक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी भी साझा की। दूसरे समूह ने पर्यावरण सुरक्षा विषय पर कार्य किया।

इस समूह ने स्वच्छता, वृक्षारोपण और प्लास्टिक मुक्त ग्राम की अवधारणा को सशक्त बनाने हेतु ग्रामीणों को प्रेरित किया। गाँव के सार्वजनिक स्थलों पर पोस्टर लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया गया और पेड़ लगाकर "एक पेड़–एक जीवन" का संकल्प लिया गया। तीसरे समूह ने उच्च रक्तचाप विषय पर जागरूकता फैलाने का कार्य किया। इस समूह ने ग्रामीणों को बताया कि उच्च रक्तचाप धीरे–धीरे शरीर को प्रभावित करने वाली गंभीर समस्या है, जिसे संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और समय–समय पर जांच के माध्यम से नियंत्रित किया जा सकता है।

स्वयंसेवकों ने स्वास्थ्य संबंधी जानकारी वितरित की और जांच शिविर में सहयोग किया। चौथे समूह ने रक्ताल्पता (एनीमिया) पर जनजागरूकता अभियान चलाया।

इस टीम ने विशेष रूप से महिलाओं और किशोरियों को आयरन युक्त आहार जैसे हरी सब्जियाँ, गुड़, चना, सेब आदि के सेवन के लाभ बताए। साथ ही उन्हें आयरन सप्लीमेंट और संतुलित आहार के महत्व से भी अवगत कराया।

शिविर का संचालन इकाई की कार्यक्रम अधिकारी सुश्री गरिमा पांडेय के नेतृत्व में हुआ। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों को समाज के प्रति संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने स्वयंसेवकों के उत्साह और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि समाज की प्रगति में युवाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। ग्रामवासियों ने एनएसएस के इस प्रयास की सराहना की और विश्वविद्यालय को ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के लिए धन्यवाद दिया। शिविर का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसके उपरांत सभी स्वयंसेवकों ने समाज सेवा के पथ पर निरंतर आगे बढ़ने की शपथ ली।

GPS Map Camera
Sarahari, Uttar Pradesh, India
W943+w8w, Peppeganj - Sarahari Rd, Sarahari, Uttar Pradesh
273007, India
Lat 26.907437° Long 83.353307°

मिशन शक्ति 5.0

माता शबरी इकाई

मिशन शक्ति 5.0 में विज्ञान और उद्योग में महिलाओं का योगदान विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करतें स्वंयसेवक

दिनांक : 11 अक्टूबर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के माता शबरी इकाई द्वारा "मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत 'विज्ञान एवं उद्योग में महिलाओं का योगदान' विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन एवं भाषण प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमित उपाध्याय के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य विज्ञान एवं उद्योग मे महिलाओं के योगदान को प्रस्तुत करना था। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में अर्पिता जयसवाल और शिवानी यादव ने प्रभावशाली प्रस्तुति दी, वहीं भाषण प्रतियोगिता में श्रुति सोनकर और नितिशा श्रीवास्तव ने महिला सशक्तिकरण के विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में डॉ. अमित उपाध्याय ने प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि , "मिशन शक्ति केवल एक अभियान नहीं, बल्कि यह समाज में महिलाओं को उनके अधिकारों और आत्मबल के प्रति जागरूक करने का प्रयास है।

क्विज प्रतियोगिता

माता शबरी इकाई

विकसित भारत यंगलीडर्स डायलॉग प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते स्वयंसेवक

दिनांक : 11 अक्टूबर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना की माता शबरी इकाई द्वारा "विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026 (VBYLD) क्विज हेतु सामूहिक पंजीकरण एवं सहभागिता अभियान का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमित उपाध्याय के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस पहल का उद्देश्य विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों में नेतृत्व क्षमता, राष्ट्रीय विकास के प्रति दृष्टिकोण, और जागरूकता को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को VBYLD क्विज में पंजीकरण एवं सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर छात्रों को विकसित भारत अभियान की भावना और युवा नेतृत्व की भूमिका के बारे में भी जानकारी दी गई।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमित उपाध्याय ने बताया कि, "इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ युवाओं में राष्ट्रनिर्माण की भावना को प्रोत्साहित करती हैं और उन्हें एक सशक्त भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करती हैं।

प्रथम एकदिवसीय शिविर

पारिजात इकाई

नशामुक्ति विषय पर ग्रामीणों को जागरूक करते स्वयंसेवक

दिनांक : 12 अक्टूबर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की पारिजात इकाई (कृषि संकाय) द्वारा ग्राम सभा मानीराम–सिकटौर में एकदिवसीय विशेष शिविर का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रामवासियों में उत्साह एवं जागरूकता देखने को मिली।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक के मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों ने सेवा, समर्पण और समाज सुधार का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने पूरे गाँव में स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली और लोगों को 'स्वच्छ गाँव –स्वस्थ समाज' का संदेश दिया। स्वयंसेवकों ने घर–घर जाकर नशामुक्ति अभियान के तहत ग्रामीणों को व्यसन से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। स्वयंसेवकों द्वारा बनाए गए विभिन्न जागरूकता अभियान के पोस्टरों और जनसंवाद ने वातावरण को सामाजिक चेतना से भर दिया।

एक कदम
SAY NO TO DRUGS

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
राष्ट्रीय सेवा योजना
तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 3.0
Tobacco Free Youth Campaign 3.0

एक कदम
स्वच्छता की ओर
SAY NO TO DRUGS

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
राष्ट्रीय सेवा योजना
एकदिवसीय शिविर
राष्ट्रीय सेवा योजना
तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 3.0
Tobacco Free Youth Campaign 3.0

प्रथम एकदिवसीय शिविर

महिला सशक्तिकरण पर पोस्टर एवं नुक्कड़ नाटक के जागरूक करते स्वयंसेवक

दिनांक : 12 अक्टूबर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में संचालित माता अनुसुईया इकाई द्वारा ग्राम दुर्गापुर में प्रथम एकदिवसीय शिविर आयोजित किया गया।

इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में सामाजिक जागरूकता फैलाना, महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना तथा मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत जन जागरूकता को सुदृढ़ बनाना था।

शिविर में इकाई के कुल 100 स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी स्वयंसेवकों को पाँच समूहों में विभाजित कर विभिन्न विषयों पर जनजागरूकता गतिविधियों का संचालन किया गया। प्रत्येक समूह ने अपने–अपने विषय पर रचनात्मक और प्रेरणादायक तरीके से ग्रामवासियों को जागरूक किया गया ।

प्रथम समूह, जिसका नेतृत्व अनामिका निषाद और अंबालिका प्रजापति द्वारा किया गया जिसमें मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत एक जागरूकता रैली निकाली।

इस रैली के माध्यम से ग्रामवासियों को महिला सुरक्षा, स्वावलंबन और अधिकारों के प्रति सचेत किया गया। स्वयंसेवकों ने नारे और बैनरों के जरिए समाज में महिलाओं की भूमिका और सुरक्षा के महत्व पर संदेश दिया। द्वितीय समूह, गुड़िया सिंह और नेहा निषाद के नेतृत्व में, पोस्टर प्रस्तुति के माध्यम से मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत महिला सुरक्षा और जनजागरूकता पर कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

उन्होंने आकर्षक पोस्टरों के माध्यम से बताया कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान समाज की प्रगति की आधारशिला है।

तृतीय समूह, जिसका नेतृत्व रागिनी मेनका और निधि यादव ने किया, शासन द्वारा जारी महिला सहायता एवं आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों (112, 1090, 181, 102,108 और 1076) के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये नंबर संकट की स्थिति में तत्काल सहायता प्राप्त करने के लिए अत्यंत उपयोगी हैं, और प्रत्येक नागरिक को इनका ज्ञान होना चाहिए ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत मदद ली जा सके।

चतुर्थ समूह, शम्मी और रुबी विश्वकर्मा के नेतृत्व में, साइबर अपराध और साइबर सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक किया। उन्होंने पोस्टर प्रस्तुति के माध्यम से बताया कि आज के डिजिटल युग में साइबर ठगी, धोखाधड़ी और फर्जीवाड़े से बचने के लिए सावधानी अत्यंत आवश्यक है। साथ ही यह भी समझाया कि अनजान लिंक, कॉल या मैसेज पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें।

पंचम समूह, स्वेता शुक्ला और शालिनी गुप्ता के नेतृत्व में, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से महिला सशक्तिकरण और दहेज प्रथा के विषय पर प्रभावशाली प्रस्तुति दी। उन्होंने नारों और संवादों के माध्यम से यह संदेश दिया कि समाज में एकता, भाईचारा और सहयोग ही एक मजबूत राष्ट्र की नींव हैं।

ग्राम प्रधान श्री सर्वेश यादव ने स्वयंसेवकों के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर ग्रामीण समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में अत्यंत सहायक होते हैं। उन्होंने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय सेवा योजना की टीम को धन्यवाद देते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजन निरंतर जारी रखने की अपेक्षा व्यक्त की।

कार्यक्रम अधिकारी सुमन यादव ने बताया कि , ग्राम दुर्गापुर में आयोजित यह प्रथम एकदिवसीय शिविर न केवल जनजागरूकता का प्रभावी माध्यम बना, बल्कि स्वयंसेवकों के लिए सीखने, नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने का एक उत्कृष्ट अवसर भी सिद्ध हुआ।

कार्यक्रम माता अनुसुईया इकाई की कार्यक्रम अधिकारी एवं विश्वविद्यालय मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी सुश्री सुमन यादव के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उनके निर्देशन में स्वयंसेवकों ने अनुशासन, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का परिचय दिया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
राष्ट्रीय सेवा योजना
एकदिवसीय शिविर
देवीपुर, उत्तर प्रदेश, India
112, Durgapur Bada, देवीपुर, उत्तर प्रदेश 273007, India
Lat 26.86162° Long 83.375056°

MAHAYOGI GORAKHNATH UNIVERSITY GORAKHPUR
मिशन शक्ति अभियान 5.0
नारी सुरक्षा नारी सम्मान नारी स्वावलंबन
1090 181 1076 112 1098 102 108
राष्ट्रीय सेवा योजना
महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

देवीपुर, उत्तर प्रदेश, India
112, Durgapur Bada, देवीपुर, उत्तर प्रदेश 273007, India
Lat 26.861658° Long 83.374986°

मिशन शक्ति अभियान 5.0
राष्ट्रीय सेवा योजना

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
राष्ट्रीय सेवा योजना
माता अनुसुईया इकाई (नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय)
एकदिवसीय शिविर
E-mail : mguniversitygkp@mgug.ac.in

मिशन शक्ति अभियान 5.0
1090 181 1076 112 1098 102 108
राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना
एकदिवसीय शिविर
देवीपुर, उत्तर प्रदेश, India
Lat 26.86162° Long 83.375056°
Sunday, 12/10/2025 11:53 AM GMT

मिशन शक्ति 5.0 औद्योगिक नगर भ्रमण

राष्ट्रीय सेवा योजना

शैक्षणिक एवं औद्योगिक भ्रमण पर ज्ञानार्जन ग्रहण करते स्वयंसेवक

दिनांक : 13 अक्टूबर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के तहत जी. एन.एम. प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए नगर भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं ने गीडा औद्योगिक क्षेत्र स्थित पारले–जी बिस्किट फैक्ट्री का शैक्षणिक एवं औद्योगिक भ्रमण किया।

इस भ्रमण का उद्देश्य छात्राओं को औद्योगिक कार्यप्रणाली, उत्पादन प्रक्रिया तथा प्रबंधन प्रणाली के बारे में व्यवहारिक अनुभव प्रदान करना था। भ्रमण के दौरान छात्राओं ने बिस्किट निर्माण की संपूर्ण प्रक्रिया कृ कच्चे माल की तैयारी, मिश्रण, बेकिंग, पैकेजिंग और गुणवत्ता नियंत्रण के विभिन्न चरणों कृ को निकट से देखा और समझा।

फैक्ट्री के तकनीकी विशेषज्ञों ने छात्राओं को स्वच्छता मानकों, मशीनों के संचालन एवं उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखने के उपायों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे और औद्योगिक कार्य संस्कृति के विविध पहलुओं को समझा।

भ्रमण के दौरान छात्राओं ने फैक्ट्री में कार्यरत महिला श्रमिकों को मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत शासन द्वारा जारी महिला सुरक्षा एवं सहायता हेल्पलाइन नंबरों– 1090 (वुमन पावर लाइन), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 112 (आपातकालीन सेवा), 1098 (बाल सहायता हेल्पलाइन), 102 (स्वास्थ्य सेवा), 101 (फायर सर्विस) एवं 108 (एम्बुलेंस सेवा) कृ की जानकारी भी प्रदान की।

उन्होंने बताया कि किसी भी आपात स्थिति या समस्या के समय इन नंबरों के माध्यम से शासन की तत्काल सहायता प्राप्त की जा सकती है। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की मिशन शक्ति 5.0 नोडल अधिकारी सुश्री सुमन यादव के नेतृत्व में तथा सुश्री प्रिया सिंह एवं सुश्री प्रज्ञा मिश्रा के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

प्राचार्य डॉ. डी .एस. अजिथा ने इस अवसर पर कहा कि "ऐसे औद्योगिक भ्रमण छात्राओं के लिए अत्यंत उपयोगी होते हैं, क्योंकि ये उन्हें न केवल व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करते हैं, बल्कि उनके आत्मविश्वास, टीम वर्क और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करते हैं। मिशन शक्ति जैसे अभियान छात्राओं को समाज में सशक्त भूमिका निभाने हेतु प्रेरित करते हैं।

"संकाय सदस्यों ने छात्राओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे औद्योगिक भ्रमण न केवल शैक्षणिक दृष्टि से लाभकारी हैं बल्कि छात्राओं में आत्मनिर्भरता, जागरूकता और सामाजिक संवेदनशीलता की भावना को भी सशक्त करते हैं। प्रगति की आधारशिला है।

वर्चुअल माध्यम से स्वयंसेवकों को साइबर सुरक्षा की जानकारी देते श्री अतुल चौबे

दिनांक : 14 अक्टूबर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में संचालित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के महंत अवेद्यनाथ इकाई द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के तहत आज दिनाकं 14 अक्टूबर 2025 को साइबर सुरक्षा, डिजिटल अरेस्ट, डिजिटल फ्राड पर ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान किया गया।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों मे आज के समय मे हो रहे साइबर क्राइम, डिजिटल अरेस्ट और डिजिटल फ्राड को लेकर जगरूकता लाना अथवा अगर इस प्रकार की कोई भी गटना हो तो बिना घबड़ाये उसे कैसे ठीक करे।

इस कार्यक्रम मे अतिथि व्याख्यान हेतु श्री अतुल चौबे जी चीफ कांस्टेबल साइबर क्राइम सेल द्वारा साइबर क्राइम जो की फोन या कंप्यूटर से किया जाता हैं स की विस्तृत जानकारी दी गई श्री चौबे जी ने बताया की जिसका मुख्य उद्देश्य पैसे की मांग होती है, आज के समय मे डिजिटल अरेस्ट जो की लोगो मे एक धारणा बनी हुई इस कार्यक्रम मे बताया गया कि डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई भी अरेस्ट आनलाइन नही किया जाताहै।

अगर आप को कोई काल पुलिस या किसी भी फेक प्रोफाइल से आ रहा हो तो आप उसे कैसे पहचाने और क्या प्रतिक्रिया दिखाये जिससे आप को कोई भी हानि ना हो। आज के समय मे कई प्रकार के फ्राड किये जा रहे है जिसमें फेक बैलेंस क्रेडिट मैसेज, सोशल मीडिया हर्रासमेंट, फेक आईडी फ्राड लोन अप्लिकेशंन, वर्क फ्रॉम होम, कस्टमर काल, फेक वेबसाइट, UPI रिकवेस्ट फ्राड, आंनलाइन खरीदारी, और किसी भी प्रकार की आनलाइन काल या नोटिस आपके फोन पर सरकार के तरफ से नही भेजा जाता।

कार्यक्रम मे बताया गया की आप किसी भी प्रकार का ऐसा Aap Download ना करे और कोई भी ऐसे लिंक पर बिना संपूर्ण जानकारी के क्लिक ना करें। इस कार्यक्रम के दौरान शासन द्वारा जारी साइबर सुरक्षा एवं सहायता हेल्पलाइन नंबरों : 1930 (साइबर क्राइम हेल्प लाइन), और बलइमतबतपउम.हवअ.पद– की जानकारी भी प्रदान की। उन्होंने बताया कि किसी भी आपात स्थिति या समस्या के समय इन नंबरों के माध्यम से शासन की तत्काल सहायता प्राप्त की जा सकती है।

यह कार्यक्रम महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित फैलल्टी ऑफ नर्सिंग एवं पैरामेडिकल् की अधिष्ठाता डॉ. डी .एस. अजिथा और प्रधानाचार्या डा रोहित कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व मे कराया गया।

इस अवसर प्रधानाचार्या डा रोहित कुमार श्रीवास्तव जी ने अतिथि का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए छात्रों मे ऐसे जरूरी इंफोर्मेशंन साझा किया जिससे किसी भी तरह के फ्राड से बचा जा सकता।

विश्व एनेस्थिसिया दिवस

विश्व एनेस्थिसिया दिवस पर स्वयंसेवकों को वर्चुअली सम्बोधित करते श्री राजेश कुमार पटेल

दिनांक : 16 अक्टूबर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में संचालित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के महंत अवेद्यनाथ इकाई द्वारा आज दिनाकं 16 अक्टूबर 2025 को विश्व एन्थेसिया दिवस मनाया गया स इस वर्ष 2025 का जो थीम है वह Anesthesiology in Health Emergencie जो की WFSA द्वारा दिया गया है।

इस कार्यक्रम का भुभारम्भ एन्थेसिया कोर्स कर रही छात्रा आयुषी चौबे के द्वारा जिसने इस वर्ष के थीम का उद्देश्य बताते हुए और अतिथि स्वागत एवं औपचारिक संबोधन के साथ किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री राजेश कुमार पटेल, सीनियर ओटी टेक्नीशियन, हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, वाराणसी उपस्थित रहे।

उन्होंने एनेस्थीसिया विज्ञान के महत्व, इतिहास और आधुनिक चिकित्सा में इसके योगदान पर प्रकाश डाला। श्री पटेल जी ने बताया की हम प्रतेक वर्ष विश्व एन्थेसिया दिवस क्यो मनाते है और इसका उद्येश्य क्या है यह कार्यक्रम महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित फैलल्टी ऑफ नर्सिंग एवं पैरामेडिकल् की अधिष्ठाता डॉ. डी. एस. अजिथा और प्रधानाचार्या डा रोहित कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व मे कराया गया।

इस अवसर पर धीरज कुमार, कुलदीप यादव, ज्योति गुप्ता सहित सभी गणमान्य लोग उपस्थित रहें। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को एनेस्थीसिया विज्ञान की जानकारी प्रदान करना और चिकित्सा क्षेत्र में इसके योगदान को सम्मानित करना है।

कार्यक्रम में फैकल्टी सदस्य, विद्यार्थी एवं चिकित्सा कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी दिखाई।

द्वितीय एकदिवसीय शिविर

शिवाजी इकाई

ग्रामीणों को ब्रेस्ट कैंसर के बारे में सम्बोधित करते डॉ. अनुराग श्रीवास्तव

दिनांक : 17 अक्टूबर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अंतर्गत चिकित्सा विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई द्वारा ग्राम सोनबरसा में द्वितीय एकदिवसीय विशेष शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य ग्रामवासियों में स्वास्थ्य, स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण तथा सामाजिक जागरूकता से संबंधित विषयों पर जनजागरूकता फैलाना रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव उपस्थित रहे, डॉ. श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में ग्रामवासियों को स्तन कैंसर के लक्षण, कारण, निदान तथा उपचार के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी और विशेष रूप से बताया कि समय पर जांच एवं उचित उपचार से इस रोग का पूर्ण रूप से उपचार संभव है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत महिला सुरक्षा, महिला उद्यमिता एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामवासियों को प्रदान की तथा महिलाओं से आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता विकसित करने का आह्वान किया।

शिविर के दौरान स्वयंसेवक विवेक राज, नीलाक्षी निषाद, हर्ष कुमार, शिवानी, मधु, ज्योति, अंतेश, नीलाक्षी पांडे आदि के नेतृत्व में ग्राम में स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसके माध्यम से ग्रामवासियों को स्वच्छ पर्यावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।

सृष्टि दुबे, अन्विषा, कारन भारती, गणेश जायसवाल, मीनू सिद्दी, सृष्टि शाही, पारुल पांडे आदि ने महिला हेल्पलाइन नंबरों (1090, 181, 112 आदि) की जानकारी दी तथा बताया कि इन नंबरों के माध्यम से महिलाएँ अपनी समस्याओं का त्वरित समाधान प्राप्त कर सकती हैं। जया सिंह, रोहित, आशीष, नीलम, रिशु, अंशिका, दुर्गावती, अनुराधा, ममता आदि ने टी.बी. मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत ग्रामवासियों को टी.बी. के लक्षण, बचाव के उपाय एवं उपलब्ध सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी दी।

उत्कर्ष पाण्डेय, अखण्ड प्रताप सिंह, सृष्टि यादव एवं उनके समूह ने स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के अंतर्गत लोगों को संतुलित आहार, स्वच्छ जीवनशैली एवं नियमित स्वास्थ्य जांच की महत्ता बताई।

ग्राम प्रधान श्री ओम प्रकाश ने कहा कि "राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक जिस समर्पण एवं अनुशासन के साथ ग्रामों में सामाजिक जागरूकता फैलाने का कार्य कर रहे हैं, वह अत्यंत सराहनीय है।

ऐसे कार्यक्रम ग्रामवासियों को एकजुट कर स्वच्छ, स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विश्वविद्यालय एवं एनएसएस इकाई का यह प्रयास समाज सेवा की भावना को नई दिशा प्रदान करता है।"

इस अवसर पर ग्राम विकास अधिकारी मत्स राज ने कहा कि "ऐसे शिविर ग्रामीण समुदाय के विकास, जागरूकता और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं और ग्रामवासियों को अपने अधिकारों, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति सजग बनाते हैं।" शिविर के नेतृत्व में सभी स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक एवं अनुशासित ढंग से सहभागिता की तथा विभिन्न जनजागरूकता गतिविधियों के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित किया।

इस अवसर पर शिवाजी इकाई के कार्यक्रम अधिकारी अनिल कुमार पटेल ने बताया कि ऐसे शिविर समाज में सेवा, सहयोग एवं जागरूकता की भावना को सशक्त बनाते हैं। अंत में, कार्यक्रम के समापन सत्र में उपस्थित ग्रामवासियों ने राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यों की प्रशंसा की तथा भविष्य में भी ऐसे उपयोगी शिविरों के आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की। इस द्वितीय एकदिवसीय विशेष शिविर ने ग्रामवासियों में स्वास्थ्य, स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण, रोग निवारण एवं सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूकता लाने में अत्यंत सफल भूमिका निभाई।

मिशन शक्ति अभियान 5.0
नारी सुरक्षा
नारी सम्मान
नारी स्वावलंबन
1090
181
1076
112

मिशन शक्ति अभियान 5.0

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
GPS Map Camera
Sonbarsa, Uttar Pradesh, India
R9q5+6rx, Sonbarsa, Uttar Pradesh 273007, India
Lat 26.838176° Long 83.359701°

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
चिकित्सा विज्ञान संकाय
शिवाजी ईकाई
राष्ट्रीय सेवा योजना
एक दिवसीय शिविर

पूर्व गणतंत्र दिवस परेड में चयन प्रतियोगिता के स्वयंसेवकों के साथ समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे, डॉ. अमित उपाध्याय एवं अनिल पटेल

दिनांक : 18 अक्टूबर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की माता शबरी इकाई के स्वयंसेवक निखिल प्रकाश पाण्डेय एवं आशीश दूबे मैत्रेयी इकाई की स्वयंसेविका समीक्षा, अर्पिता यादव, प्रिया सिंह, रितिका शर्मा, अंशिका गोयल, भााम्भवी सिंह, एकता पाठक, सुमन, खुशी वर्मा एवं प्रीति राजभर आर्यभट्ट इकाई की स्वयंसेविका काव्यांजलि गौतम, नीलम कुशवाहा एवं सोनाली तिवारी तथा शिवाजी इकाई के स्वयंसेवक अविनाश एवं स्वयंसेविका रविता पासवान ने दीन दयाल उपाध्याय गोरखापुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में आयोजित पूर्व गणतंत्र दिवस चयन शिविर में प्रतिभाग किया।

यह चयन शिविर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों में देशभक्ति, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं शारीरिक दक्षता का विकास करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों ने शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया। स्वयंसेवकों के साथ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमित उपाध्याय, कार्यक्रम अधिकारी अनिल पटेल तथा कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे उपस्थित रहे और उन्होंने स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने चयन शिविर में प्रतिभाग करने वाले सभी स्वयंसेवकों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं तथा उन्हें राष्ट्रीय एकता और सेवा भावना के लिए प्रेरित किया।

सरदार बल्लभ भाई पटेल जयंती पर शपथ ग्रहण करते स्वयंसेवक

दिनांक : 31 अक्टूबर, 2025 | महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में भारत के लौह पुरुष, स्वतंत्र भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर एक भव्य "पुष्पांजलि सभा एवं राष्ट्रीय एकता मार्च" का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं सांप्रदायिक सौहार्द के प्रतीक सरदार पटेल के जीवन से प्रेरणा लेने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय परिसर में पुष्पांजलि सभा एवं राष्ट्रीय एकता शपथ के साथ किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकगण, कार्यक्रम अधिकारीगण, एनसीसी कैडेट्स एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने सरदार पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा राष्ट्रीय एकता की शपथ ली।

इस अवसर पर एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन और उनके योगदान पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सरदार पटेल ने स्वतंत्रता के बाद देश की 562 रियासतों का एकीकरण कर भारत को एक सशक्त और अखंड राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। उनका योगदान केवल राजनीतिक ही नहीं, बल्कि प्रशासनिक दृष्टि से भी अनुपम रहा। उनके दृढ़ संकल्प, कुशल नेतृत्व एवं अटूट देशभक्ति ने उन्हें "भारत का लौह पुरुष" की उपाधि दिलाई।

डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि आज जब देश विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब सरदार पटेल की एकता, अनुशासन और समर्पण की भावना हमें प्रेरित करती है। उनकी जीवन गाथा यह संदेश देती है कि भारत की ताकत उसकी एकता में निहित है।

पुष्पांजलि सभा के उपरांत विश्वविद्यालय परिसर से "राष्ट्रीय एकता मार्च" का शुभारंभ किया गया। यह मार्च परिसर के मुख्य द्वार से प्रारंभ होकर विभिन्न विभागों से होता हुआ मुख्य प्रांगण तक संपन्न हुआ।

मार्च में एनएसएस स्वयंसेवक, एनसीसी कैडेट्स, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी राष्ट्रीय एकता के नारे लगाते हुए आगे बढ़े और सरदार पटेल की विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाने का संदेश दिया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरदार पटेल का जीवन समर्पण, त्याग और राष्ट्र निर्माण की अमिट गाथा है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे सरदार पटेल के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें और राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं विकास में अपना सक्रिय योगदान दें।

कार्यक्रम में कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक, डॉ. अनिल कुमार, सुश्री कविता साहनी, डॉ. रश्मि झा, डॉ. अमित उपाध्याय, सुश्री सुमन यादव, श्री धीरज कुमार, सहायक आचार्य डॉ. रवि निषाद एवं डॉ. नवनीत कुमार सहित विश्वविद्यालय के अनेक प्राध्यापक एवं छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन पर राष्ट्रगान के साथ सभी प्रतिभागियों ने एक बार फिर राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के प्रति निष्ठा की शपथ ली। संपूर्ण आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना एवं एनसीसी इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

यूनिटी मार्च

यूनिटी मार्च

यूनिटी मार्च

वा योजना

सेवा योजना

लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल
यूनिटी मार्च
लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल
यूनिटी मार्च

राष्ट्रीय कैडेट कोर

आईजीसी प्री–आरडीसी शिविर में चयनित कैडेट सागर जायसवाल, खुशी गुप्ता, अतिका तिवारी, निलेश यादव, अनुभव पाण्डेय

दिनांक : 09 अक्टूबर, 2025। महायोगी गोरखानाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित राष्ट्रीय कैडेट कोर 102 यूपी बटालियन गोरखपुर मुख्यालय में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर से 5 कैडेट्स सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, अंडर ऑफिसर खुशी गुप्ता, सार्जेंट निलेश यादव, सार्जेंट अतिका तिवारी कैडेट अनुभव पाण्डेय, रिपब्लिक डे कैंप के द्वितीय चरण इटर ग्रुप शिविर में चयनित होकर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

कैडेट्स के चयन पर कुलपति डॉ सुरिंदर सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा की महायोगी गोरखानाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स अनुशासन की आंच में तप कर कड़े अभ्यास से सैन्य प्रशिक्षण के लिए तैयार हो रहे हैं। रिपब्लिक के कैप के द्वितीय चरण में बटालियन स्तर पर पांच कैडेट्स का चयन सभी के लिए प्रेरणा दायक है।

कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने कहा कि विश्वविद्यालय में एन सी सी निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसित है। पूर्ण विश्वास है आईजी सी शिविर में सम्मिलित सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल , अंडर ऑफिसर खुशी गुप्ता, सार्जेंट अतिका तिवारी, सार्जेंट नीलेश कुमार यादव , कैडेट अनुभव पाण्डेय अपने अथक परिश्रम और कौशल क्षमता से राजपथ पर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे।

कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा 102 यू पी बटालियन गोरखपुर मुख्यालय कैडेट्स को राष्ट्रीय शिविरों में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित कर श्रेष्ठ मंच देने का प्रयास कर रहा है।

बटालियन से प्रतिभाग कर रहे सीनियर ब्याज में आठ में से तीन कैडेट्स और गर्ल्स में सात कैडेट्स में से दो कैडेट महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर से द्वितीय चरण में चयन होना सभी के लिए प्रेरणादायक है इंटर ग्रुप शिविर में कैडेट्स श्रेष्ठ प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय और बटालियन का नाम रोशन करेंगे ।

एसोशिएट एन सी सी ऑफिसर लेफ्टिनेंट (डॉ) संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा की आई जी सी शिविर में ड्रिल, सांस्कृतिक प्रस्तुति, फलैग एरिया, आदि प्रतियोगिताओं का हिस्सा होता है । जहां कड़े प्रतिस्पर्धा से कैडेट्स का चयन राजपथ परेड के लिए होता है। आठ से 17 अक्टूबर तक आई जी.सी (आरडीसी) शिविर में प्रतिभाग करेंगे।

कैडेट्स के चयन पर प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, प्राचार्या डॉ. डी.एस अजीथा, अधिष्ठाता डॉ चंदशेखर मूर्ति वी, डॉ सुनील कुमार सिंह, डॉ. विमल कुमार दुबे, थॉ. शशिकांत सिंह डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव उप कुलसचिव श्रीकांत जी, जेसीओ सूबेदार धरेश माने, सहित सभी शिक्षकगण ने कैडेट्स को बधाई और शुभकामनाए दिया

इण्टरग्रुप बॉस्केटबॉल प्रतियोगिता में चयनित कैडेट प्रीति शर्मा और सजना शर्मा टीम के साथ

दिनांक : 11 अक्टूबर, 2025। राष्ट्रीय कैडेट कोर इंटरग्रुप बॉस्केट बॉल प्रतियोगिता में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर की कैडेट्स प्रीति शर्मा और संजना शर्मा की जोड़ी ने 44 यू पी बटालियन गोरखपुर मुख्यालय द्वारा चौरी चौरा में आयोजित शिविर में चयनित होकर 102यू पी बटालियन गोरखपुर का प्रतिनिधत्व कर रही है।

44 बटालियन द्वारा आयोजित शिविर में बास्केटबाल प्रतियोगिता शिविर में उत्तर प्रदेश से कुल 11 टीमें मैदान में उत्कृष्ट खेल भावना का प्रदर्शन कर रहे हैं। गोरखपुर की टीम ने गाजियाबाद से पहला मैच जीतकर दमदारी से किया जीत की शुरुआत किया है।

कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने चयनित को कैडेट्स की बधाई देते हुए कहा कि गर्ल्स कैडेट्स का बास्केटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेना इस बात का प्रमाण है कि महिलाएँ किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। मैदान पर उनका जोश, दृढ़ता और आत्मविश्वास यह संदेश देता है कि यदि अवसर मिले तो महिलाएँ हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। एनसीसी की यह प्रतियोगिता नारी सशक्तिकरण का जीवंत प्रतीक है।

102 यू पी बटालियन गोरखपुर के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह जी ने कहा कि इंटर ग्रुप बॉस्केटबॉल प्रतियोगिता केवल खेल का मंच नहीं हैं, बल्कि अनुशासन, मेहनत और टीम भावना का अद्भुत उदाहरण हैं। प्रीति शर्मा और संजना शर्मा ने अपने समर्पण और आत्मविश्वास खेल में चयनित हुई है।

एनसीसी के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं, जिनका उद्देश्य युवाओं में टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और खेल कौशल को विकसित करना होता है। इन्हीं प्रतियोगिताओं में से एक है लड़कियों की बास्केटबॉल प्रतियोगिता, जो साहस, ऊर्जा, अनुशासन और सामूहिक सहयोग की उत्कृष्ट मिसाल पेश करती है। यह खेल तेज गति, रणनीति, सटीकता और शारीरिक क्षमता का संगम है।

एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि एनसीसी का मुख्य उद्देश्य एकता और अनुशासन है, बास्केटबाल प्रतियोगिता में टीम भावना खेल की आत्मा है, क्योंकि जीत केवल व्यक्तिगत कौशल पर नहीं बल्कि पूरी टीम के सामूहिक प्रयास पर निर्भर करती है। खिलाड़ी एक–दूसरे को प्रोत्साहित करती हैं और साथ मिलकर रणनीति अपनाती हैं। इंटर ग्रुप बास्केटबॉल प्रतियोगिता युवाओं के लिए उत्साह और प्रेरणा का केंद्र बनी। हर्ष का विषय है कि 102 यूपी बटालियन गोरखापुर मुख्यालय का बॉस्केटबाल प्रतियोगिता में प्रतिनिधत्व करने वाली ये दोनों कैडेट्स बटालियन से जुड़े 38 विद्यालय और महाविद्यालय स्तर पर भी नेतृत्व करने का गौरव प्राप्त किया है। 15 दिन तक बटालियन द्वारा चयनित प्रशिक्षक की देखरेख में बॉस्केटबाल कोर्ट पर कड़े अभ्यास से खेल की बारिकियो को सिखा हैं।

शिविर में प्रमुख रूप से वाराणसी, आगरा, प्रयागराज, कानपुर , लखनऊ, गोरखपुर, मेरठ, बरेली, गाजियाबाद , अलीगढ़ ,की टीम उत्तर प्रदेश मुख्यालय का प्रतिनिधत्व कर रहे हैं।

प्रशिक्षण शिविर से पहले सभी टीमों का चयन उनके अपने यूनिट स्तर पर किया जाता है। चयनित कैडेट्स को प्रशिक्षकों द्वारा विशेष कोचिंग दी जाती है। मैदान की सज्जा, खेल सामग्री की व्यवस्था और रेफरी की नियुक्ति के साथ प्रतियोगिता की शुरुआत होती है।

प्रतियोगिता शिविर में विविध बटालियन से चयनित टीमों में प्रतिस्पर्धा होगा । जिसमे से श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी राजपथ परेड में जाने का मौका मिलेगा । बॉलीबॉल प्रतियोगिता शिविर में चयनित होने पर कुलपति प्रो सुरिंदर सिंह, उपकुलसचिव श्रीकांत ,प्राचार्य डॉ अनुराग श्रीवास्तव, डॉ डी एस अजीथा, डॉ चंद्रशेखर मूर्ति एस, डॉ सुनील कुमार सिंह, डॉ विमल दुबे, डॉ शशिकांत सिंह , डॉ रोहित श्रीवास्तव , सहित विश्वविद्यालय प्रशासनिक अधिकारियो प्राचार्य, अधिष्ठाता और सभी शिक्षकों ने शुभकामना दिया।

स्टार्टअप कार्यशाला लखनऊ नेतृत्व करते अण्डर ऑफिसर अभिषेक चौरसिया और सार्जेंट विकास यादव

दिनांक : 13 अक्टूबर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के दो कैडेट अंडर ऑफिसर अभिषेक चौरसिया और सार्जेंट विकास यादव दो दिवसीय राष्ट्रीय स्टार्टअप कार्यशाला लखनऊ में चयनित होकर 102 यू पी बटालियन गोरखपुर का नेतृत्व किया।

102 यू पी बटालियन के 38 विद्यालयों और महाविद्यालय में से यह सौभाग्य महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर को प्राप्त हुआ है। इंटरव्यू राउंड में कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह जी ने कैडेट्स को राष्ट्रीय स्टार्टअप कार्यशाला के लिए मार्गदर्शन दिया।

कैडेट्स के नवाचार को सुधार कर उनका मनोबल और उत्साह बढ़ाया। अंडर ऑफिसर अभिषेक चौरसिया का स्टार्टअप इंडिया ऑटोमेटेड हाइड्रोपोनिक टेक्नोलॉजी से फार्मिंग करना जिससे हमें पेस्टिसाइड फ्री, इनसेक्टिसाइड फ्री सब्जियां उपलब्ध हो सके इस प्रोजेक्ट कोप्रस्तुत किया।

सार्जेंट विकास यादव का आयस्टर मशरूम के प्रोजेक्ट को अधिकारियों ने सराहा। सार्जेंट विकास यादव मशरूम के उत्पादन ,प्रोसेसिंग, मार्केटिंग को बढ़ावा देने पर कार्य कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के 11 मुख्यालयों से आए एन.सी. सी कैडेट्स के लिए नव स्टार्टअप योजना के तहत नए नवाचारों से जोड़ने के लिए यह पहल किया गया है। सैन्य प्रशिक्षण वाहिनी नंबर 2 लखनऊ छावनी में आयोजित कार्यशाला में कैडेट्स को प्रशिक्षण दिया गया। कैडेट्स के नवाचार के लिए एक्सपा कैडेट प्रोग्राम के अध्यक्ष पोन्नमा उथप्पा ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया । लेफ्टिनेंट डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि कैडेट्स को सैन्य प्रशिक्षण के साथ व्यावसायिक प्रशिक्षण से भी कैडेट्स को भविष्य के नए पथ का निर्माण होगा।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कैडेट्स का सौभाग्य है कि विश्वविद्यालय और बटालियन द्वारा निरंतर कैडेट्स को राष्ट्रीय मंचों पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल रहा है जिससे नए कैडेट्स को भी नई प्रेरणा ऊर्जा मिलेगा। दोनों कैडेट्स का चयन बटालियन स्तर पर लगभग 38 विद्यालयों एवं विश्वविद्यालय के बीच हुआ। कैडेट्स की उपलब्धि पर कुलपति प्रो सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव जी ने शुभकामना दिया ।

कैडेट्स को प्राचार्य डॉ अनुराग श्रीवास्तव, डॉ डी एस अजीथा, डॉ सुनील कुमार सिंह, डॉ विमल कुमार दुबे, डॉ शशिकांत सिंह, डॉ रोहित श्रीवास्तव, सहित सभी शिक्षकगण, संकाय सदस्य और एनसीसी मुख्यालय के अधिकारीगण ने इस उपलब्धि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एन.सी. सी यूनिट्स को बधाई दिया।

स्कूबा ड्राइविंग गोताखोर प्रशिक्षण लेते कैडेट्स हर्ष्व साहनी, अरूण विश्वकर्मा, अरविन्द, आदित्य, रूद्रप्रताप, आलोक सिंह और आलोक

दिनांक : 15 अक्टूबर, 2025 । राष्ट्रीय कैडेट कोर गोरखपुर मुख्यालय द्वारा आयोजित सेल्फ कंटेंड अंडर वॉटर ब्रिथिंग अपैरेंट्स गोताखोरी स्कूबा ड्राइविंग में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के चयनित 6 कैडेट्स ने सैय्यद मोदी रेलवे स्टेडियम के स्विमिंग पूल में आयोजित स्कूबा डाइविंग अभ्यास में सक्रिय भागीदारी करते हुए अपनी साहसिक क्षमता और तकनीकी कौशल का शानदार प्रदर्शन किया।

एक दिवसीय शिविर में 102 यू पी बटालियन गोरखपुर मुख्यालय से कुल 25 कैडेट्स का चयन हुआ जिसमें महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय से 6 कैडेट्स का चयन किया गया जिसमें प्रमुख रूप से लांस कॉरपोरल हर्षव साहनी, लांस कॉरपोरल अरुण विश्वकर्मा, कैडेट अरविंद विश्वकर्मा, कैडेट आदित्य सिंह, कैडेट रुद्र प्रताप सिंह, कैडेट आलोक सिंह और कैडेट आलोक पाण्डेय ने कुशल प्रशिक्षकों के देख रेख में गोताखोरी का गुण सिखा।

सभी कैडेट्स ने स्विमिंग कॉस्ट्यूम में पूरी तत्परता और सैन्य अनुशासन के साथ प्रशिक्षण सत्र को पूर्ण किया। मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर परिमल भारती ने शिविर का निरीक्षण कर कैडेट्स के प्रदर्शन की सराहना किया। उन्होंने कहा कि स्कूबा डाइविंग कैडेट्स के ट्रेनिंग का हिस्सा है, इसमें रोमांचक अनुभव के साथ व्यक्तित्व में संतुलन, आत्मविश्वास और आपसी सहयोग जैसी विशेषताओं का भी विकास होता हैं। स्कूबा डाइविंग एक साहसिक खेल है जहां एडवेंचर एक्टिविटी के जरिए कैडेट्स को साहसिक चुनौतियों के लिए तैयार किया जाता हैं। पानी के अंदर सांस लेने के लिए विशेष उपकरणों का उपयोग करके जलमग्न वातावरण का पता लगाने का एक रोमांचक तरीका है। सुबेदार सुमेर सिंह ने कैडेट्स को स्कूबा प्रशिक्षण दिया ।

उन्होंने कहा कि कैडेट्स को जल के भीतर जीवन को नजदीक से देखने और समझने का अनमोल अवसर प्रदान करता हैं । ऐसे प्रशिक्षण सत्र न केवल छात्रों की शारीरिक क्षमता और मानसिक दृढ़ता को बढ़ाते हैं, बल्कि उनमें टीमवर्क, अनुशासन, और नेतृत्व जैसे गुणों को भी विकसित करते हैं। विश्वविद्यालय की यह पहल युवाओं को आत्मनिर्भर और बहुआयामी बनाने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है।

लेफ्टिनेंट डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि स्कूबा अभ्यास का उद्देश्य कैडेट्स को जल–निपुणता, तैराकी कौशल, जल के भीतर संतुलन बनाए रखने की क्षमता, और सुरक्षा तकनीकों में दक्षता को विकसित करना था। स्कूबा डाइविंग जैसे रोमांचक और तकनीकी प्रशिक्षणों के माध्यम से कैडेट्स ने पानी के भीतर सांस नियंत्रण, गहराई में संतुलन साधने और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने जैसी महत्वपूर्ण स्किल्स का अभ्यास किया।

कैडेट्स के सफल प्रशिक्षण पर कुलपति प्रो सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव, कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, अडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा, जे. सी. ओ धनेश माने, सहित बटालियन और विश्वविद्यालय शिक्षकों ने बधाई और शुभकामनाएं दिया।

बॉस्केटबॉल प्रतियोगिता शिविर में चैम्पियन ट्रॉफी के साथ गोरखपुर मुख्यालय पर कैडेट प्रीति एवं संजना को सम्मानित करते ब्रिगेडियर

दिनांक : 17 अक्टूबर, 2025। राष्ट्रीय कैडेट कोर द्वारा 44 यूपी बटालियन एनसीसी के संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर 164 चौरी चौरा में हुए बास्केटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला रोमांच और जोश से भरपूर रहा। इस प्रतियोगिता में गोरखपुर ग्रुप ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए लखनऊ ग्रुप को मात देकर विजेता ट्रॉफी अपने नाम कर एक स्वर्णिम इतिहास रच दिया।

गोरखपुर मुख्यालय की टीम में 102 यू. पी बटालियन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर की कैडेट्स प्रीति शर्मा और संजना शर्मा बास्केटबाल प्रतियोगिता में चौंपियनशिप ट्राफी जीत कर स्वर्णिम इतिहास के अध्याय में अपना नाम दर्ज करा लिया।

शिविर में मुख्य अतिथि ग्रुप कमांडर – ब्रिगेडियर परिमल भारती ने विजेता टीम गोरखपुर को ट्रॉफी प्रदान करते हुए और खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना किया। उन्होंने कहा कि कैडेट्स ने खेल भावना से राष्ट्रीय कैडेट कोर के शिविर में खेल नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया है।

कैडेट्स देश के सशक्त भविष्य के निर्माता भी हैं। सभी प्रतिभागियों को आगे बढ़ने और समाज में सकारात्मक योगदान देने की प्रेरणा दिया। कैडेट्स की उपलब्धि पर शुभकामना देते हुए कुलपति प्रो सुरिंदर सिंह ने कहा कि एनसीसी की यह प्रतियोगिता नारी सशक्तिकरण का जीवंत प्रतीक है। बास्केटबॉल प्रतियोगिता, साहस, ऊर्जा, अनुशासन और सामूहिक सहयोग की उत्कृष्ट मिसाल पेश करती है। यह खेल तेज गति, रणनीति, सटीकता और शारीरिक क्षमता का संगम है। शिविर में शिविर में उत्तर प्रदेश से कुल 11 टीमें गोरखपुर मुख्यालय, लखनऊ, कानपुर , गाजियाबाद, बनारस, अलीगढ़, प्रयागराज, आगरा, बरेली, और मेरठ मुख्यालय की टीमों ने मैदान में उत्कृष्ट खेल भावना का प्रदर्शन किया।

फाइनल मैच गोरखपुर और लखनऊ टीम के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिला। शुरुआती मिनटों में लखनऊ – ग्रुप ने बढ़त बनाई, लेकिन गोरखपुर ग्रुप के खिलाड़ियों ने शानदार तालमेल और रणनीति से वापसी करते हुए अंत तक – बढ़त बनाकर अंकों के आधार पर गोरखपुर ग्रुप ने चौंपियनशिप ट्राफी अपने नाम किया ।गोरखपुर मुख्यालय का नेतृत्व तन्वी धरेश माने,संजना शर्मा, प्रीति शर्मा, खुशबू चौरसिया,श्रेया पांडे ,पल्लवी सिंह,अंकिता यादव,आस्था गौर, प्रिया कुमारी ,मंदिरा शर्मा, तनु राव,अनामिका यादव ने किया।

कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने कैडेट्स की बधाई देते हुए कहा कि गर्ल्स कैडेट्स का बास्केटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेना इस बात का प्रमाण है कि महिलाएँ किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। मैदान पर उनका जोश, दृढ़ता और आत्मविश्वास यह संदेश देता है कि यदि अवसर मिले तो महिलाएँ हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं।

102 यू पी बटालियन गोरखपुर के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह जी ने कहा कि इंटर ग्रुप बॉस्केटबॉल प्रतियोगिता केवल खेल का मंच नहीं हैं, बल्कि अनुशासन, मेहनत और टीम भावना का अद्भुत उदाहरण हैं। एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि बास्केटबाल प्रतियोगिता में टीम भावना खेल की आत्मा है, क्योंकि जीत केवल व्यक्तिगत कौशल पर नहीं बल्कि पूरी टीम के सामूहिक प्रयास पर निर्भर करती है।

इस अवसर पर कैम्प कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल रमन तिवारी, कैप्टन सी.पी. त्रिपाठी,चीफ ऑफिसर अनिल गुप्ता, लेफ्टिनेंट वंदिता त्रिपाठी, लेफ्टिनेंट अरुण यादव, सीटीओ अनिल कुमार सिंह, रश्मि पांडेय और सूबेदार मेजर एम. अब्राहम ने शिविर संचालन में सहयोग किया।

कैडेट्स की उपलब्धि पर 102 यू पी बटालियन के अडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा, सूबेदार धनेश माने , महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के प्राचार्य डॉ अनुराग श्रीवास्तव, डॉ डी एस अजीथा, डॉ सुनील कुमार सिंह, डॉ विमल दुबे, डॉ शशिकांत सिंह , डॉ रोहित श्रीवास्तव उप कुलसचिव श्री कांत जी सहित विश्वविद्यालय प्रशासनिक अधिकारियों प्राचार्य, अधिष्ठाता और सभी शिक्षकों ने शुभकामना दिया।

ट्रैकिंग शिविर में प्रतिभाग करते कैडेट प्रियेश राम त्रिपाठी एवं आशुतोष सिंह

दिनांक : 30 अक्टूबर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के 102 यू पी बटालियन गोरखपुर के कैडेट प्रियेश राम त्रिपाठी और आशुतोष सिंह आल इंडिया ट्रैकिंग कैंप बिजनौर में सैन्य दल के साथ ट्रैकिंग की तकनीक सीख रहे हैं। ट्रैकिंग कैंप में चयनित कैडेट्स की सैन्य प्रशिक्षण के लिए प्रेरणा देते हुए कुलपति प्रो सुरिंदर सिंह जी ने कहा कि ट्रैकिंग कैंप हर सैनिक के लिए रोमांच और साहस से भरा होता हैं। शिविर में आने वाले चुनौतियों से कैडेट्स सैन्य जीवन के लिए स्वयं के विपरीत परिस्थित में ढालने का कार्य करते है जिससे अनुशासन और सैन्य प्रशिक्षण की ताप में राष्ट्र सेवा का संकल्प जागृत होता हैं। महायोगी के कैडेट्स का ट्रैकिंग कैंप में चयनित होना सौभाग्य है।

कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने ट्रैकिंग कैंप में सम्मिलित कैडेट्स को शुभकामना देते हुए कहा कि ट्रैकिंग सैन्य प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इससे विपरीत परिस्थितियों से चुनौतियों को स्वीकार कर नेतृत्व का गुण विकसित होता हैं , पूर्ण विश्वास है कैडेट्स ट्रैकिंग से जीवन लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। एसोशिएट एन. सी. सी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आठ दिवसीय आल इंडिया ट्रैकिंग कैंप बिजनौर में उत्तर प्रदेश के विविध जनपदों से चयनित कैडेट्स रोमांच साहसिक शिविर में ट्रैकिंग एडवेंचर के साथ सैन्य प्रशिक्षण ग्रहण कर रहे है।

शिविर में कैडेट्स बिजनौर के धार्मिक एवं पौराणिक दुर्गम क्षेत्रों की ट्रैकिंग कर सैन्य प्रशिक्षण ग्रहण कर रहे है। दुर्गम क्षेत्रों में पहाड़ , जंगल और शिविर में सैन्य जीवन के वातारण में स्वयं को विपरीत परिस्थित और चुनौतियों में स्वयं को तैयार रखने में महत्वपूर्ण है। सैन्य प्रशिक्षण के साथ ट्रैकिंग एडवेंचर प्रशिक्षण कुशल प्रशिक्षकों के देख रेख में ग्रहण कर रोमांचित है।

ट्रैकिंग में महात्मा विदुर बायोडायवर्सिटी पार्क , गंगा नदी, ,हैदरपुर वेटलैंड में प्रकृति के मध्य विभिन्न प्रकार के 340 से भी अधिक प्रवासी पक्षियों को करीब से देखने और जंगल ,नदी ,पहाड़ के दुर्गम स्थलों पर भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस से सीखने का प्रयास कर रहे हैं। ट्रैकिंग कैंप में चयनित कैडेट प्रियेश राम त्रिपाठी और आशुतोष सिंह कृषि संकाय के विद्यार्थी है। कैडेट्स को उनके प्रदर्शन के आधार पर बटालियन द्वारा ट्रैकिंग एडवेंचर प्रशिक्षण शिविर के लिए चयनित होने का सौभाग्य मिला है। ट्रैकिंग कैंप का नेतृत्व 44वी बटालियन के कैप्टन दीपक शाही कर रहे हैं।

शिविर में गोरखपुर , बस्ती, गोंडा, देवरिया, पडरौना, बलरामपुर, के 45 कैडेट्स प्रतिभाग कर रहे हैं।

ट्रैकिंग कैंप में चयनित होने पर प्राचार्य डॉ अनुराग श्रीवास्तव , प्राचार्य डॉ गिरिधर वेदान्तम, प्राचार्या डा. डी.एस. अजीथा,अधिष्ठाता प्रो सुनील कुमार सिंह, डॉ शशिकांत सिंह, डॉ विमल कुमार दुबे, उप कुलसचिव श्रीकांत, प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव, सहित सभी शिक्षको ने शुभकामना दिया।

भारत रत्न लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल जी की जयंती पर एकता का शपथ ग्रहण करते एवं पदयात्रा करते कैडेट्स

दिनांक : 31 अक्टूबर, 2025 । महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में भारत के लौह पुरुष, सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर राष्ट्रीय कैडेट कोर ने राष्ट्रीय एकता पथ यात्रा का आयोजन कर राष्ट्र नव निर्माण का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में एनसीसी , एन.एस. एस और विश्विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों ने भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पण कर "राष्ट्रीय एकता यात्रा में सम्मिलित हुए। यात्रा में भारत माता और सरदार वल्लभ भाई पटेल के जयकारों और उदघोष से सभी ने राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं सांप्रदायिक सौहार्द के प्रतीक सरदार पटेल के जीवन से प्रेरणा लेते हुए के उद्देश्य से राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया । कार्यक्रम का नेतृत्व राष्ट्रीय कैडेट कोर के एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने किया और राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ अखिलेश दुबे ने किया। कार्यक्रम में एम.बी.बी.एस प्राचार्य डॉ अनुराग श्रीवास्तव, राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ अखिलेश दुबे , लेफ्टिनेंट डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव, सहित कैडेट्स और स्वयं सेवकों ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं राष्ट्रीय एकता शपथ का संकल्प लिया।

लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय एकता दिवस में सम्मिलित सभी कैडेट्स, स्वयंसेवकों और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरदार पटेल केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि राष्ट्र के एकीकरण के सच्चे शिल्पकार थे। अखंड भारत के नव निर्माण में उनका योगदान अविस्मरणीय रहेगा। सरदार जी ने भारत में 562 रियासतों का विलय कर एक अखंड भारत का निर्माण किया। उनके अदम्य साहस, दृढ़ निश्चय और देशभक्ति से आज की युवा पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर यह आयोजन युवाओं में अनुशासन, एकता और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को प्रबल बनाएगा। आज का यह आयोजन उसी दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है। डॉ अनुराग श्रीवास्तव ने सभी को राष्ट्रीय एकता दिवस का शपथ ग्रहण करवाया। पुष्पांजलि सभा के पश्चात एनसीसी कैडेट्स, राष्ट्रीय सेवा योजना, और विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रीय एकता मार्च में भारत माता और वन्देमातरम का उदघोष करते हुए सभी में राष्ट्र समर्पण गीत गाकर जन जागरण किया गया।

राष्ट्रीय एकता दिवस यात्रा विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से प्रारंभ होकर विभिन्न विभागों से होते हुए मुख्य प्रांगण तक पहुँचा। यात्रा के दौरान कैडेट्स ने "एक भारतदृश्रेष्ठ भारत", "राष्ट्र की एकता ही हमारी शक्ति है" जैसे नारों से परिसर को गूंजा दिया।

कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने युवाओं की सराहना करते हुए कहा कि "एनसीसी अनुशासन, देशभक्ति और सेवा भावना का प्रतीक है। इस तरह के आयोजन युवाओं में राष्ट्रप्रेम की भावना को और अधिक प्रबल बनाते हैं।कार्यक्रम के समापन पर राष्ट्रगान के साथ सभी प्रतिभागियों ने राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के प्रति निष्ठा की शपथ ली। आयोजन में प्रमुख रूप से कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक, डॉ. अनिल कुमार, सुश्री कविता साहनी, डॉ. रश्मि झा, डॉ. अमित उपाध्याय, सुश्री सुमन यादव, श्री धीरज कुमार, सहायक आचार्य डॉ. रवि निषाद एवं डॉ. नवनीत कुमार , श्री वत्स जी सहित अंडर ऑफिसर अभिषेक चौरसिया कॉरपोरल अभिषेक मिश्रा, सार्जेंट विकास यादव, सार्जेंट अतीका तिवारी, कॉरपोरल शिखर पाण्डेय, लांस कॉरपोरल हर्षव साहनी,लांस कॉरपोरल अर्पिता राय, कॉरपोरल अलोक दीक्षित, अनुराधा, अनुभव पाण्डेय, खुशी यादव, सिद्धार्थ दुबे, पार्वती साहनी ,शुभम सिंह, समग्र चंद, अंजलि चौरसिया, सिद्धार्थ दुबे, प्रीति पांडेय, यदवेंद्र गोस्वामी, अंकिता यादव, आदित्य कुमार, नैनशी श्रीवास्तव, शिखा कुमारी और अवधेश नंद गिरि ने पूरे अनुशासन और देशभक्ति के साथ राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

एनसीसी से प्रशस्त होता है सैन्य सेवा का मार्ग

गोरखपुर : राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) युवाओं को सैन्य सेवा के लिए प्रेरित करता है। युवाओं को सैन्य प्रशिक्षण देकर राष्ट्र सेवा की प्रेरणा देकर सैन्य सेवा से राष्ट्र सेवा का मार्ग प्रशस्त करता है। यह बातें महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में 102 यूपी बटालियन, राष्ट्रीय कैडेट कोर की ओर से सोमवार को आयोजित समर्पण-अभिनंदन समारोह में मुख्य अतिथि कमांडिंग आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि कही।

विशिष्ट अतिथि चिकित्सा संस्थान के प्राचार्य डा. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय में संचालित एनसीसी में कैडेट्स निरंतर राष्ट्रीय शिविरों में प्रतिभाग कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। एसोसिएट एनसीसी आफिसर लेफ्टिनेंट डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 33 कैडेट्स ने बी परीक्षा ए ग्रेड से उत्तीर्ण कर नाम रोशन किया है।

Special program organized at MGUG under Mission Shakti

JEEVAN EXPRESS BUREAU

GORAKHPUR: The Mata Shabari unit of the National Service Scheme of Mahayogi Gorakhnath University, Gorakhpur (MGUG), organized a special program on Saturday on the topic of "Contribution of Women in Science and Industry" under Mission Shakti 5.0. The program included a PowerPoint presentation and a speech competition. University volunteers participated enthusiastically in the competitions. Both events were held under the guidance and direction of Program Officer Dr. Amit Upadhyay.

विद्यार्थियों को दी गई सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनिंग

नगर संवाददाता, गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के डायलिसिस और ऑप्टोमेट्री विभाग में उन्नति फाउंडेशन द्वारा आयोजित सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनिंग कार्यक्रम का समापन समारोह शनिवार को आयोजित हुआ। पैरामेडिकल के प्रिंसिपल डॉ. रोहित श्रीवास्तव, उन्नति फाउंडेशन के मेंटर शिवानन्द त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को प्रोफेशन में सॉफ्ट स्किल्स के महत्व के बारे में बारीकी से जानकारी दी। संचालन कंचन चौहान एवं दुर्गा गुप्ता ने तथा धन्यवाद ज्ञापन निधि (ऑप्टोमेट्री विभाग) और सोनाली मौर्या (डायलिसिस विभाग) ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में पैरामेडिकल विभाग के शिक्षक संदीप शर्मा, कुंवर अभिनव सिंह राठौर, विशालदीप, संजीव विश्वकर्मा, जय शंकर पाण्डेय, धीरज कुमार, आकांक्षा दीक्षित आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

एमजीयूजी में विद्यार्थियों को दी गई सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनिंग'

संवाददाता, गोरखपुर, 11 अक्टूबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के डायलिसिस और ऑप्टोमेट्री विभाग में उन्नति फाउंडेशन द्वारा आयोजित सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनिंग कार्यक्रम का समापन समारोह शनिवार को आयोजित हुआ। पैरामेडिकल के प्रिंसिपल डॉ. रोहित श्रीवास्तव, उन्नति फाउंडेशन के मेंटर शिवानन्द त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को प्रोफेशन में सॉफ्ट स्किल्स के महत्व के बारे में बारीकी से जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन कंचन चौहान एवं दुर्गा गुप्ता ने तथा धन्यवाद ज्ञापन निधि (ऑप्टोमेट्री विभाग) और सोनाली मौर्या (डायलिसिस विभाग) ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में पैरामेडिकल विभाग के शिक्षक संदीप शर्मा, कुंवर अभिनव सिंह राठौर, विशालदीप, संजीव विश्वकर्मा, जय शंकर पाण्डेय, धीरज कुमार, आकांक्षा दीक्षित आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

एमजीयूजी में मिशन शक्ति के तहत विशेष कार्यक्रम का आयोजन

विज्ञान व उद्योग क्षेत्र में महिलाओं के योगदान एवं भूमिका पर हुई प्रतियोगिता

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 11 अक्टूबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) की राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की माता शबरी इकाई द्वारा शनिवार को मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत विज्ञान एवं उद्योग में महिलाओं का योगदान विषय पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इसमें पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य विज्ञान एवं उद्योग क्षेत्र में महिलाओं के योगदान एवं भूमिका को रेखांकित करना था। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में अर्पिता जायसवाल और शिवानी यादव ने प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। भाषण प्रतियोगिता में श्रुति सोनकर और नितिशा श्रीवास्तव ने महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार साझा किये।

मिशन शक्ति कार्यक्रम के दूसरे चरण में माता शबरी इकाई द्वारा विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026 क्विज हेतु सामूहिक पंजीकरण एवं सहभागिता अभियान का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों में नेतृत्व क्षमता, राष्ट्रीय विकास के प्रति दृष्टिकोण और जागरूकता को प्रोत्साहित करना था।

इस अवसर पर स्वयंसेवकों को विकसित भारत अभियान की भावना और युवा नेतृत्व की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई तथा उन्हें क्विज में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। दोनों आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमित उपाध्याय के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में हुए। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति केवल एक अभियान नहीं, बल्कि यह समाज में महिलाओं को उनके अधिकारों और आत्मबल के प्रति जागरूक करने का प्रयास है।

'एमजीयूजी में मिशन शक्ति के तहत विशेष कार्यक्रम का आयोजन'

'विज्ञान व उद्योग क्षेत्र में महिलाओं के योगदान एवं भूमिका पर हुई प्रतियोगिता'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) की राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की माता शबरी इकाई द्वारा शनिवार को मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत विज्ञान एवं उद्योग में महिलाओं का योगदान विषय पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य विज्ञान एवं उद्योग क्षेत्र में महिलाओं के योगदान एवं भूमिका को रेखांकित करना था। प्रतियोगिता मे विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता मे अर्पिता जायसवाल और शिवानी यादव ने प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। भाषण प्रतियोगिता में श्रुति सोनकर और नितिशा श्रीवास्तव ने महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार साझा किए। मिशन शक्ति कार्यक्रम के दूसरे चरण में माता शबरी इकाई द्वारा विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026 क्विज हेतु सामूहिक पंजीकरण एवं सहभागिता अभियान का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों में नेतृत्व क्षमता, राष्ट्रीय विकास के प्रति दृष्टिकोण और जागरूकता को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर स्वयंसेवकों को विकसित भारत अभियान की भावना और युवा नेतृत्व की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई तथा उन्हें क्विज मे सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। दोनो आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमित उपाध्याय के मार्गदर्शन एवं निर्देशन मे हुए। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति केवल एक अभियान नहीं, बल्कि यह समाज में महिलाओं को उनके अधिकारों और आत्मबल के प्रति जागरूक करने का प्रयास है।

एमजीयूजी में मिशन शक्ति के तहत विशेष कार्यक्रम का आयोजन

विज्ञान व उद्योग क्षेत्र में महिलाओं के योगदान व भूमिका पर हुई प्रतियोगिता

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) की राष्ट्रीय सेवा योजना की माता शबरी इकाई द्वारा शनिवार को मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत विज्ञान एवं उद्योग में महिलाओं का योगदान विषय पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

एमजीयूजी में आयोजित प्रतियोगिता में उपस्थित बच्चे। फोटो : एसएनबी

इसमें पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य विज्ञान एवं उद्योग क्षेत्र में महिलाओं के योगदान एवं भूमिका को रेखांकित करना था। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन प्रतियोगिता में अर्पिता जायसवाल और शिवानी यादव ने प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। भाषण प्रतियोगिता में श्रुति सोनकर और नितिशा श्रीवास्तव ने महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार साझा किए।

मिशन शक्ति कार्यक्रम के दूसरे चरण में माता शबरी इकाई द्वारा विकसित भारत यंग लीडर्स डायलग 2026 जि हेतु सामूहिक पंजीकरण एवं सहभागिता अभियान का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों में नेतृत्व क्षमता, राष्ट्रीय विकास के प्रति दृष्टिकोण और जागरूकता को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर स्वयंसेवकों को विकसित भारत अभियान की भावना और युवा नेतृत्व की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई तथा उन्हें सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। दोनों आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमित उपाध्याय के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में हुए। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति केवल एक अभियान नहीं, बल्कि यह समाज में महिलाओं को उनके अधिकारों और आत्मबल के प्रति जागरूक करने का प्रयास है।

एमजीयूजी में विद्यार्थियों को दी गई साफ्ट स्किल्स ट्रेनिंग : गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के डायलिसिस और आप्टोमेट्री विभाग में उन्नति फाउंडेशन द्वारा आयोजित साफ्ट स्किल्स ट्रेनिंग कार्यक्रम का समापन समारोह शनिवार को आयोजित हुआ।

पैरामेडिकल के प्रिंसिपल डा. रोहित श्रीवास्तव, उन्नति फाउंडेशन के मेंटर शिवानन्द त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को प्रोफेशन में साफ्ट स्किल्स के महत्व के बारे में बारीकी से जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन कंचन चौहान एवं दुर्गा गुप्ता ने तथा धन्यवाद ज्ञापन निधि (आप्टोमेट्री विभाग) और सोनाली मौर्या (डायलिसिस विभाग) ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में पैरामेडिकल विभाग के शिक्षक संदीप शर्मा, कुंवर अभिनव सिंह राठौर, विशालदीप, संजीव विश्वकर्मा, जय शंकर पाण्डेय, धीरज कुमार, आकांक्षा दीक्षित आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय

विज्ञान व उद्योग क्षेत्र में महिलाओं के योगदान पर हुई प्रतियोगिता

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता, गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय (एमजीयूजी) की राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की माता शबरी इकाई ने शनिवार को मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत विज्ञान और उद्योग क्षेत्र में महिलाओं के योगदान एवं भूमिका पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम में पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य महिलाओं के योगदान को रेखांकित करना था। पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में अर्पिता जायसवाल और शिवानी यादव ने प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। भाषण प्रतियोगिता में श्रुति सोनकर और नितिशा श्रीवास्तव ने महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार साझा किए। विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक प्रतियोगिताओं में भाग लिया और कार्यक्रम की सफलता में योगदान दिया।

दूसरे चरण में माता शबरी इकाई द्वारा विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026 क्विज हेतु सामूहिक पंजीकरण एवं सहभागिता अभियान का आयोजन किया गया। स्वयंसेवकों को क्विज में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया और उन्हें युवा नेतृत्व और विकसित भारत अभियान की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमित उपाध्याय ने बताया कि मिशन शक्ति समाज में महिलाओं को उनके अधिकारों और आत्मबल के प्रति जागरूक करने का प्रयास है।

6वां प्रकाश

क कार्यक्रम

में 30 बजे तक पंजाब से आए प्रसिद्ध

'एमजीयूजी के रासेयो स्वयंसेवकों ने दो गांवों में लगाए शिविर'

गोरखपुर, 12 अक्टूबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) के स्वयंसेवकों ने रविवार को दो गांवों में विशेष शिविर लगाकर

ग्रामीणों को स्वच्छता और मिशन शक्ति के प्रति जागरूक किया।

एमजीयूजी के कृषि संकाय की पारिजात रासेयो इकाई ने ग्रामसभा मानीराम–सिकटौर में शिविर के दौरान स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली। साथ लोगों को मिशन शक्ति 5.0 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यह शिविर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। डॉ. आयुष ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक सेवा भावना से नेतृत्व क्षमता को विकसित करते हैं। इसी क्रम में एमजीयूजी के नर्सिंग एंड पैरामेडिकल संकाय में संचालित रासेयो की अनुसुईया इकाई द्वारा ग्राम दुर्गापुर में एक दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। इसमें स्वयंसेवकों ने ग्रामवासियों को महिला सुरक्षा, स्वावलंबन तथा अधिकारों के प्रति सचेत किया। साथ ही महिला सहायता एवं आपातकालीन हेल्पलाइन नबरों 112, 1090, 181, 102, 108 और 1076 के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर ग्राम प्रधान सर्वेश यादव ने स्वयंसेवकों के प्रयास की सराहना की। आयोजन कार्यक्रम अधिकारी एवं विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी सुमन यादव की देखरेख मे हुआ।

एमजीयूजी के रासेयो स्वयंसेवकों ने दो गांवों में लगाए शिविर

संवाददाता, गोरखपुर

अमृत विचार। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) के स्वयंसेवकों ने रविवार को दो गांवों में विशेष शिविर लगाकर ग्रामीणों को स्वच्छता और मिशन शक्ति के प्रति जागरूक किया।

एमजीयूजी के कृषि संकाय की पारिजात रासेयो इकाई ने ग्रामसभा मानीराम-सिकटौर में शिविर के दौरान स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली। साथ लोगों को मिशन शक्ति 5.0 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यह शिविर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। डॉ. आयुष ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक सेवा भावना से नेतृत्व क्षमता को विकसित करते हैं।

इसी क्रम में एमजीयूजी के नर्सिंग एंड पैरामेडिकल संकाय में संचालित रासेयो की अनुसुईया इकाई द्वारा ग्राम दुर्गापुर में एक दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। इसमें स्वयंसेवकों ने ग्रामवासियों को महिला सुरक्षा, स्वावलंबन तथा अधिकारों के प्रति सचेत किया। साथ ही महिला सहायता एवं आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों 112, 1090, 181, 102, 108 और 1076 के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर ग्राम प्रधान सर्वेश यादव ने स्वयंसेवकों के प्रयास की सराहना की। आयोजन कार्यक्रम अधिकारी एवं विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी सुमन यादव की देखरेख में हुआ।

एमजीयूजी के रासेयो स्वयंसेवकों ने लगाए शिविर

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) के स्वयंसेवकों ने रविवार को दो गांवों में विशेष

शिविर लगाकर ग्रामीणों को स्वच्छता और मिशन शक्ति के प्रति जागरूक किया। एमजीयूजी के कृषि संकाय की पारिजात रासेयो इकाई ने ग्रामसभा मानीराम-सिकटौर में शिविर के दौरान स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली। साथ लोगों को मिशन शक्ति 5.0 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यह शिविर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। डा. आयुष ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक सेवा भावना से नेतृत्व क्षमता को विकसित करते हैं। इसी क्रम में एमजीयूजी के नर्सिंग एंड पैरामेडिकल संकाय में संचालित रासेयो की अनुसुईया इकाई द्वारा ग्राम दुर्गापुर में एक दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। इसमें स्वयंसेवकों ने ग्रामवासियों को महिला सुरक्षा, स्वावलंबन तथा अधिकारों के प्रति सचेत किया। साथ ही महिला सहायता एवं आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों 112, 1090, 181, 102, 108 और 1076 के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर ग्राम प्रधान सर्वेश यादव ने स्वयंसेवकों के प्रयास की सराहना की। आयोजन कार्यक्रम अधिकारी एवं विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी सुमन यादव की देखरेख में हुआ।

एमजीयूजी के रासेयो स्वयंसेवकों ने दो गांवों में लगाए शिविर

नव अमृत प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) के स्वयंसेवकों ने रविवार को दो गांवों में विशेष शिविर लगाकर ग्रामीणों को स्वच्छता और मिशन शक्ति के प्रति जागरूक किया। एमजीयूजी के कृषि संकाय की पारिजात रासेयो इकाई ने ग्रामसभा मानीराम–सिकटौर में शिविर के दौरान स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली। साथ लोगों को मिशन शक्ति 5.0 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यह शिविर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। डॉ. आयुष ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक सेवा भावना से नेतृत्व क्षमता को विकसित करते हैं। इसी क्रम में एमजीयूजी के नर्सिंग एंड पैरामेडिकल संकाय में संचालित रासेयो की अनुसुईया इकाई द्वारा ग्राम दुगार्पुर में एक दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। इसमें स्वयंसेवकों ने ग्रामवासियों को महिला सुरक्षा, स्वावलंबन तथा अधिकारों के प्रति सचेत किया। साथ ही महिला सहायता एवं आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों 112, 1090, 181, 102, 108 और 1076 के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर ग्राम प्रधान सर्वेश यादव ने स्वयंसेवकों के प्रयास की सराहना की। आयोजन कार्यक्रम अधिकारी एवं विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी सुमन यादव की देखरेख में हुआ।

एमजीयूजी के रासेयो स्वयंसेवकों ने दो गांवों में लगाए शिविर

गोरखपुर (गो॰मे॰सं॰)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) के स्वयंसेवकों ने रविवार को दो गांवों में

विशेष शिविर लगाकर ग्रामीणों को स्वच्छता और मिशन शक्ति के प्रति जागरूक किया। एमजीयूजी के कृषि संकाय की पारिजात रासेयो इकाई ने ग्रामसभा मानीराम-सिकटौर में शिविर के दौरान स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली। साथ लोगों को मिशन शक्ति 5.0 के बारे में विस्तार से जानकार ी दी। यह शिविर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। डॉ. आयुष ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक सेवा भावना से नेतृत्व क्षमता को विकसित करते हैं। इसी क्रम में एमजीयूजी के नर्सिंग एंड पैरामेडिकल संकाय में संचालित रासेयो की अनुसुईया इकाई द्वारा ग्राम दुगार्पुर में एक दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। इसमें स्वयंसेवकों ने ग्रामवासियों को महिला सुरक्षा, स्वावलंबन तथा अधिकारों के प्रति सचेत किया। साथ ही महिला सहायता एवं आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों 112, 1090, 181, 102, 108 और 1076 के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर ग्राम प्रधान सर्वेश यादव ने स्वयंसेवकों के प्रयास की सराहना की। आयोजन कार्यक्रम अधिकारी एवं विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी सुमन यादव की देखरेख में हुआ।

एमजीयूजी के रासेयो स्वयंसेवकों ने दो गांवों में लगाये शिविर

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 12 अक्टूबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) के स्वयंसेवकों ने रविवार को दो गांवों में विशेष शिविर लगाकर ग्रामीणों को स्वच्छता और मिशन शक्ति के प्रति जागरूक किया।

एमजीयूजी के कृषि संकाय की पारिजात रासेयो इकाई ने ग्रामसभा मानीराम-सिकटौर में शिविर के दौरान स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली। साथ लोगों को मिशन शक्ति 5.0 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यह शिविर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। डॉ. आयुष ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक सेवा भावना से नेतृत्व क्षमता को विकसित करते हैं।

इसी क्रम में एमजीयूजी के नर्सिंग एंड पैरामेडिकल संकाय में संचालित रासेयो की अनुसुईया इकाई द्वारा ग्राम दुर्गापुर में एक दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। इसमें स्वयंसेवकों ने ग्रामवासियों को महिला सुरक्षा, स्वावलंबन तथा अधिकारों के प्रति सचेत किया। साथ ही महिला सहायता एवं आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों 112, 1090, 181, 102, 108 और 1076 के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर ग्राम प्रधान सर्वेश यादव ने स्वयंसेवकों के प्रयास की सराहना की। आयोजन कार्यक्रम अधिकारी एवं विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी सुमन यादव की देखरेख में हुआ।

लौह पुरुष की 150वीं जयंती पर एमजीयूजी में पुष्पांजलि सभा एवं राष्ट्रीय एकता मार्च का भव्य आयोजन

गोरखपुर (गो॰मे॰सं॰)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में भारत के लौह पुरुष, स्वतंत्र भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर एक भव्य "पुष्पांजलि सभा एवं राष्ट्रीय एकता मार्च" का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं सांप्रदायिक सौहार्द के प्रतीक सरदार पटेल के जीवन से प्रेरणा लेने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय परिसर में पुष्पांजलि सभा एवं राष्ट्रीय एकता शपथ के साथ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकगण, कार्यक्रम अधिकारीगण, एनसीसी कैडेट्स एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने सरदार पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा राष्ट्रीय एकता की शपथ ली। इस अवसर पर एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन और उनके योगदान पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सरदार पटेल ने स्वतंत्रता के बाद देश की 562 रियासतों का एकीकरण कर भारत को एक सशक्त और अखंड राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। उनका योगदान केवल राजनीतिक ही नहीं, बल्कि प्रशासनिक दृष्टि से भी अनुपम रहा। उनके दृढ़ संकल्प, कुशल नेतृत्व एवं अटूट देशभक्ति ने उन्हें "भारत का लौह पुरुष" की उपाधि दिलाई। डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि आज जब देश विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब सरदार पटेल की एकता, अनुशासन और समर्पण की भावना हमें प्रेरित करती है। उनकी जीवन गाथा यह संदेश देती है कि भारत की ताकत उसकी एकता में निहित है। पुष्पांजलि सभा के उपरांत विश्वविद्यालय परिसर से "राष्ट्रीय एकता मार्च" का शुभारंभ किया गया। यह मार्च परिसर के मुख्य द्वार से प्रारंभ होकर विभिन्न विभागों से होता हुआ मुख्य प्रांगण तक संपन्न हुआ। मार्च में एनएसएस स्वयंसेवक, एनसीसी कैडेट्स, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी राष्ट्रीय एकता के नारे लगाते हुए आगे बढ़े और सरदार पटेल की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरदार पटेल का जीवन समर्पण, त्याग और राष्ट्र निर्माण की अमिट गाथा है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे सरदार पटेल के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें और राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं विकास में अपना सक्रिय योगदान दें। कार्यक्रम में कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक, डॉ. अनिल कुमार, सुश्री कविता साहनी, डॉ. रश्मि झा, डॉ. अमित उपाध्याय, सुश्री सुमन यादव, श्री धीरज कुमार, सहायक आचार्य डॉ. रवि निषाद एवं डॉ. नवनीत कुमार सहित विश्वविद्यालय के अनेक प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर राष्ट्रगान के साथ सभी प्रतिभागियों ने एक बार फिर राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के प्रति निष्ठा की शपथ ली। संपूर्ण आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना एवं एनसीसी इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह आयोजन न केवल सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों को नमन करने का अवसर रहा, बल्कि विद्यार्थियों के बीच राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सौहार्द और देशभक्ति की भावना को भी सशक्त करने वाला बना।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में पुष्पांजलि सभा एवं राष्ट्रीय एकता मार्च का भव्य आयोजन

○ लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

गोरखपुर (स.अ.प्र.)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में भारत के लौह पुरुष, स्वतंत्र भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर एक भव्य पुष्पांजलि सभा एवं राष्ट्रीय एकता मार्च का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं सांप्रदायिक सौहार्द के प्रतीक सरदार पटेल के जीवन से प्रेरणा लेने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय परिसर में पुष्पांजलि सभा एवं राष्ट्रीय एकता शपथ के साथ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकगण, कार्यक्रम अधिकारीगण, एनसीसी कैडेट्स एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने सरदार पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा राष्ट्रीय एकता की शपथ ली। इस अवसर पर एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन और उनके योगदान पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सरदार पटेल ने स्वतंत्रता के बाद देश की 562 रियासतों का एकीकरण कर भारत को एक सशक्त और अखंड राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। उनका योगदान केवल राजनीतिक ही नहीं, बल्कि प्रशासनिक दृष्टि से भी अनुपम रहा। उनके दृढ़ संकल्प, कुशल नेतृत्व एवं अटूट देशभक्ति ने उन्हें भारत का लौह पुरुष की उपाधि दिलाई। डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि आज जब देश विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब सरदार पटेल की एकता, अनुशासन और समर्पण की भावना हमें प्रेरित करती है। उनकी जीवन गाथा यह संदेश देती है कि भारत की ताकत उसकी एकता में निहित है। पुष्पांजलि सभा के उपरांत विश्वविद्यालय परिसर से राष्ट्रीय एकता मार्च का शुभारंभ किया गया। यह मार्च परिसर के मुख्य द्वार से प्रारंभ होकर विभिन्न विभागों से होता हुआ मुख्य प्रांगण तक संपन्न हुआ। मार्च में एनएसएस स्वयंसेवक, एनसीसी कैडेट्स, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी राष्ट्रीय एकता के नारे लगाते हुए आगे बढ़े और सरदार पटेल की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरदार पटेल का जीवन समर्पण, त्याग और राष्ट्र निर्माण की अमिट गाथा है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे सरदार पटेल के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें और राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं विकास में अपना सक्रिय योगदान दें। कार्यक्रम में कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक, डॉ. अनिल कुमार, सुश्री कविता साहनी, डॉ. रश्मि झा, डॉ. अमित उपाध्याय, सुश्री सुमन यादव, श्री धीरज कुमार, सहायक आचार्य डॉ. रवि निषाद एवं डॉ. नवनीत कुमार सहित विश्वविद्यालय के अनेक प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर राष्ट्रगान के साथ सभी प्रतिभागियों ने एक बार फिर राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के प्रति निष्ठा की शपथ ली। संपूर्ण आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना एवं एनसीसी इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह आयोजन न केवल सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों को नमन करने का अवसर रहा, बल्कि विद्यार्थियों के बीच राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सौहार्द और देशभक्ति की भावना को भी सशक्त करने वाला बना।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि व राष्ट्रीय एकता मार्च

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

(गोरखपुर, 31 अक्टूबर 2025)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में भारत के लौह पुरुष व स्वतंत्र भारत के प्रथम उपप्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर पुष्पांजलि सभा व राष्ट्रीय एकता मार्च का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सरदार पटेल के राष्ट्रनिर्माण, अखंडता और साम्प्रदायिक सौहार्द के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय परिसर में सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि व राष्ट्रीय एकता शपथ के साथ हुई। एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवकों, शिक्षकगण व छात्रों ने देश की एकता व अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया। एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने सरदार पटेल के जीवन, 562 रियासतों के सफल एकीकरण और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को उनके अनुशासन व दृढ़ इच्छाशक्ति से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। पुष्पांजलि के बाद विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय एकता मार्च निकाला गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति व राष्ट्रीय एकता के नारे लगाए।

प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि सरदार पटेल का जीवन त्याग, समर्पण व राष्ट्रहित की मिसाल है। युवाओं को उनके आदर्शों को जीवन में अपनाकर देश के विकास में योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम में कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक, डॉ. अनिल कुमार, सुश्री कविता साहनी, डॉ. रश्मि झा, डॉ. अमित उपाध्याय, सुश्री सुमन यादव, श्री धीरज कुमार, डॉ. रवि निषाद, डॉ. नवनीत कुमार सहित अनेक प्राध्यापक व छात्र मौजूद रहे। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ और सभी प्रतिभागियों ने पुनः राष्ट्रीय एकता व अखंडता की शपथ ली।

एमजीयूजी के विद्यार्थियों ने गांव में लगाया जागरूकता शिविर'

संवाददाता

'गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के चिकित्सा विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई के विद्यार्थियों द्वारा ग्राम सोनबरसा में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर के मुख्य अतिथि श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में ग्रामवासियों को स्तन कैंसर के लक्षण, कारण, निदान तथा उपचार के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समय पर जांच एवं उचित उपचार से इस रोग का पूर्ण रूप से उपचार संभव है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत महिला सुरक्षा, महिला उद्यमिता एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामवासियों को प्रदान की। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने गांव में स्वच्छता अभियान चलाया, जिसके माध्यम से ग्रामवासियों को स्वच्छ पर्यावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही महिला हेल्पलाइन नंबरों 1090, 181, 112 आदि की जानकारी दी। ग्राम प्रधान ओम प्रकाश ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक जिस समर्पण एवं अनुशासन के साथ ग्रामों में सामाजिक जागरूकता फैलाने का कार्य कर रहे हैं, वह अत्यंत सराहनीय है।

एमजीयूजी के विद्यार्थियों ने गांव में लगाया जागरूकता शिविर

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 17 अक्टूबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के चिकित्सा विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई के विद्यार्थियों द्वारा ग्राम सोनबरसा में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर के मुख्य अतिथि श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में ग्रामवासियों को स्तन कैंसर के लक्षण, कारण, निदान तथा उपचार के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समय पर जांच एवं उचित उपचार से इस रोग का पूर्ण रूप से उपचार संभव है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत महिला सुरक्षा, महिला उद्यमिता एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामवासियों को प्रदान की।

इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने गांव में स्वच्छता अभियान चलाया, जिसके माध्यम से ग्रामवासियों को स्वच्छ पर्यावरण बनाये रखने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही महिला हेल्पलाइन नंबरों 1090, 181, 112 आदि की जानकारी दी। ग्राम प्रधान ओम प्रकाश ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक जिस समर्पण एवं अनुशासन के साथ ग्रामों में सामाजिक जागरूकता फैलाने का कार्य कर रहे हैं, वह अत्यंत सराहनीय है।

एमजीयूजी के विद्यार्थियों ने गांव में लगाया जागरूकता शिविर

नव अमृत प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के चिकित्सा विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई के विद्यार्थियों द्वारा ग्राम सोनबरसा में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के मुख्य अतिथि श्री गोरखनाथ मेडिकल

कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में ग्रामवासियों को स्तन कैंसर के लक्षण, कारण, निदान तथा उपचार के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समय पर जांच एवं उचित उपचार से इस रोग का पूर्ण रूप से उपचार संभव है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत महिला सुरक्षा, महिला उद्यमिता एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामवासियों को प्रदान की। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने गांव में स्वच्छता अभियान चलाया, जिसके माध्यम से ग्रामवासियों को स्वच्छ पर्यावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही महिला हेल्पलाइन नंबरों 1090, 181, 112 आदि की जानकारी दी। ग्राम प्रधान ओम प्रकाश ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक जिस समर्पण एवं अनुशासन के साथ ग्रामों में सामाजिक जागरूकता फैलाने का कार्य कर रहे हैं, वह अत्यंत सराहनीय है।

एमजीयूजी के विद्यार्थियों ने गांव में लगाया जागरूकता शिविर

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के चिकित्सा विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई के

विद्यार्थियों द्वारा ग्राम सोनबरसा में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के मुख्य अतिथि श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में ग्रामवासियों को स्तन कैंसर के लक्षण, कारण, निदान तथा उपचार के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समय पर जांच एवं उचित उपचार से इस रोग का पूर्ण रूप से उपचार संभव है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत महिला सुरक्षा, महिला उद्यमिता एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामवासियों को प्रदान की। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने गांव में स्वच्छता अभियान चलाया, जिसके माध्यम से ग्रामवासियों को स्वच्छ पर्यावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही महिला हेल्पलाइन नंबरों 1090, 181, 112 आदि की जानकारी दी। ग्राम प्रधान ओम प्रकाश ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक जिस समर्पण एवं अनुशासन के साथ ग्रामों में सामाजिक जागरूकता फैलाने का कार्य कर रहे हैं, वह अत्यंत सराहनीय है।

एमजीयूजी के दो एनसीसी कैडेट सीख रहे ट्रैकिंग की तकनीक

गोरखपुर (विधान केसरी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के 102 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट प्रियेश राम त्रिपाठी और आशुतोष सिंह आल इंडिया ट्रैकिंग कैंप बिजनौर में सैन्य दल के साथ ट्रैकिंग की तकनीक सीख रहे हैं। दोनों कैडेट बिजनौर के धार्मिक एवं पौराणिक दुर्गम क्षेत्रों की ट्रैकिंग कर सैन्य प्रशिक्षण ग्रहण कर रहे है। दुर्गम क्षेत्रों में पहाड़, जंगल और शिविर में सैन्य जीवन के वातारण में स्वयं को विपरीत परिस्थित और चुनौतियों में स्वयं को तैयार रखने में महत्वपूर्ण है। ट्रैकिंग कैंप में चयनित कैडेट प्रियेश राम त्रिपाठी व आशुतोष सिंह को शुभकामनाएं देते हुए एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि ट्रैकिंग कैंप हर सैनिक के लिए रोमांच और साहस से भरा होता है। शिविर में आने वाले चुनौतियों से कैडेट्स सैन्य जीवन के लिए स्वयं के विपरीत परिस्थित में ढालने का कार्य करते है जिससे अनुशासन और सैन्य प्रशिक्षण की ताप में राष्ट्र सेवा का संकल्प जागृत होता हैं। एसोसिएट एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि दोनों चयनित कैडेट कृषि संकाय के विद्यार्थी हैं।

एमजीयूजी के दो एनसीसी कैडेट सीख रहे ट्रैकिंग की तकनीक

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के 102 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट प्रियेश राम त्रिपाठी और आशुतोष सिंह ऑल इंडिया ट्रैकिंग कैंप बिजनौर में सैन्य दल के साथ ट्रैकिंग की तकनीक सीख रहे हैं।

दोनों कैडेट बिजनौर के धार्मिक एवं पौराणिक दुर्गम क्षेत्रों की ट्रैकिंग कर सैन्य प्रशिक्षण ग्रहण कर रहे है। दुर्गम क्षेत्रों में पहाड़, जंगल और शिविर में सैन्य जीवन के वातारण में स्वयं को विपरीत परिस्थिति और चुनौतियों में स्वयं को तैयार रखने में महत्वपूर्ण है। ट्रैकिंग कैंप में चयनित कैडेट प्रियेश राम त्रिपाठी व आशुतोष सिंह को शुभकामनाएं देते हुए एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि ट्रैकिंग कैंप हर सैनिक के लिए रोमांच और साहस से भरा होता है। शिविर में आने वाले चुनौतियों से कैडेट्स सैन्य जीवन के लिए स्वयं के विपरीत परिस्थित में ढालने का कार्य करते है जिससे अनुशासन और सैन्य प्रशिक्षण की ताप में राष्ट्र सेवा का संकल्प जागृत होता हैं। एसोसिएट एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप

कुलपति, कुलसचिव सहित सभी शिक्षकों ने दीं कैडेट्स को शुभकामनाएं

कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि दोनों चयनित कैडेट कृषि संकाय के विद्यार्थी हैं। कैडेट्स को एमजीयूजी के मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ.अनुराग श्रीवास्तव, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ. विमल कुमार दुबे, उप कुलसचिव श्रीकांत, डॉ. रोहित श्रीवास्तव सहित सभी शिक्षकों ने शुभकामनाएं दी हैं।

एमजीयूजी के दो एनसीसी कैडेट सीख रहे ट्रैकिंग की तकनीक

कुलपति, कुलसचिव सहित सभी शिक्षकों ने दीं कैडेट्स को शुभकामनाएं

गोरखपुर (न.अ.प्र.)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के 102 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट प्रियेश राम त्रिपाठी और आशुतोष सिंह आल इंडिया ट्रैकिंग कैंप बिजनौर में सैन्य दल के साथ ट्रैकिंग की तकनीक सीख रहे हैं।दोनों कैडेट बिजनौर के धार्मिक एवं पौराणिक दुर्गम क्षेत्रों की ट्रैकिंग कर सैन्य प्रशिक्षण ग्रहण कर रहे है। दुर्गम क्षेत्रों में पहाड़, जंगल और शिविर में सैन्य जीवन के वातारण में स्वयं को विपरीत परिस्थित और चुनौतियों में स्वयं को तैयार रखने में महत्वपूर्ण है। ट्रैकिंग कैंप में चयनित कैडेट प्रियेश राम त्रिपाठी व आशुतोष सिंह को शुभकामनाएं देते हुए एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि ट्रैकिंग कैंप हर सैनिक के लिए रोमांच और साहस से भरा होता है। शिविर में आने वाले चुनौतियों से कैडेट्स सैन्य जीवन के लिए स्वयं के विपरीत परिस्थित में ढालने का कार्य करते है जिससे अनुशासन और सैन्य प्रशिक्षण की ताप में राष्ट्र सेवा का संकल्प जागृत होता हैं। एसोसिएट एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि दोनों चयनित कैडेट कृषि संकाय के विद्यार्थी हैं। कैडेट्स को एमजीयूजी के मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ. विमल कुमार दुबे, उप कुलसचिव श्रीकांत, डॉ. रोहित श्रीवास्तव सहित सभी शिक्षकों ने शुभकामनाएं दी हैं।

एमजीयूजी के दो एनसीसी कैडेट सीख रहे ट्रैकिंग की तकनीक

कुलपति, कुलसचिव सहित सभी शिक्षकों ने दीं कैडेट्स को शुभकामनाएं

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 30 अक्टूबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के 102 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट प्रियेश राम त्रिपाठी और आशुतोष सिंह आल इंडिया ट्रैकिंग कैंप बिजनौर में सैन्य दल के साथ ट्रैकिंग की तकनीक सीख रहे हैं।

दोनों कैडेट बिजनौर के धार्मिक एवं पौराणिक दुर्गम क्षेत्रों की ट्रैकिंग कर सैन्य प्रशिक्षण ग्रहण कर रहे है। दुर्गम क्षेत्रों में पहाड़, जंगल और शिविर में सैन्य जीवन के वातारण में स्वयं को विपरीत परिस्थित और चुनौतियों में स्वयं को तैयार रखने में महत्वपूर्ण है। ट्रैकिंग कैंप में चयनित कैडेट प्रियेश राम त्रिपाठी व आशुतोष सिंह को शुभकामनाएं देते हुए एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि ट्रैकिंग कैंप हर सैनिक के लिए रोमांच और साहस से भरा होता है। शिविर में आने वाले चुनौतियों से कैडेट्स सैन्य जीवन के लिए स्वयं के विपरीत परिस्थित में ढालने का कार्य करते है जिससे अनुशासन और सैन्य प्रशिक्षण की ताप में राष्ट्र सेवा का संकल्प जागृत होता हैं।

एसोसिएट एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि दोनों चयनित कैडेट कृषि संकाय के विद्यार्थी हैं। कैडेट्स को एमजीयूजी के मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ. विमल कुमार दुबे, उप कुलसचिव श्रीकांत, डॉ. रोहित श्रीवास्तव सहित सभी शिक्षकों ने शुभकामनाएं दी हैं।

एमजीयूजी के दो एनसीसी कैडेट सीख रहे ट्रैकिंग की तकनीक

कुलपति, कुलसचिव सहित सभी शिक्षकों ने दीं कैडेट्स को शुभकामनाएं

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के 102 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट प्रियेश राम त्रिपाठी और आशुतोष सिंह आल इंडिया ट्रैकिंग कैंप बिजनौर में सैन्य दल के साथ ट्रैकिंग की तकनीक सीख रहे हैं। दोनों कैडेट बिजनौर के धार्मिक एवं पौराणिक दुर्गम क्षेत्रों की ट्रैकिंग कर सैन्य प्रशिक्षण ग्रहण कर रहे है। दुर्गम क्षेत्रों में पहाड़, जंगल और शिविर में सैन्य जीवन के वातारण में स्वयं को विपरीत परिस्थित और चुनौतियों में स्वयं को तैयार रखने में महत्वपूर्ण है। ट्रैकिंग कैंप में चयनित कैडेट प्रियेश राम त्रिपाठी व आशुतोष सिंह को शुभकामनाएं देते हुए एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि ट्रैकिंग कैंप हर सैनिक के लिए रोमांच और साहस से भरा होता है। शिविर में आने वाले चुनौतियों से कैडेट्स सैन्य जीवन के लिए स्वयं के विपरीत परिस्थित में ढालने का कार्य करते है जिससे अनुशासन और सैन्य प्रशिक्षण की ताप में राष्ट्र सेवा का संकल्प जागृत होता हैं। एसोसिएट एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि दोनों चयनित कैडेट कृषि संकाय के विद्यार्थी हैं। कैडेट्स को एमजीयूजी के मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ. विमल कुमार दुबे, उप कुलसचिव श्रीकांत, डॉ. रोहित श्रीवास्तव सहित सभी शिक्षकों ने शुभकामनाएं दी हैं।

दो एनसीसी कैडेट सीख रहे ट्रैकिंग की तकनीक

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के 102 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट प्रियेश राम त्रिपाठी और आशुतोष सिंह ऑल इंडिया ट्रैकिंग कैंप बिजनौर में सैन्य दल के साथ ट्रैकिंग की तकनीक सीख रहे हैं। एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, एमजीयूजी के मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा सहित सभी शिक्षकों ने ने दोनो कैडेट को शुभकामनाएं दी हैं।

Two NCC cadets from MGUG are learning tracking techniques

JEEVAN EXPRESS BUREAU

GORAKHPUR: Cadets Priyesh Ram Tripathi and Ashutosh Singh of the 102nd UP Battalion NCC of Mahayogi Gorakhnath University, Gorakhpur (MGUG), are learning trekking techniques with the army team at the All India Trekking Camp, Bijnor. Both cadets are receiving military training by trekking through the religious and mythological inaccessible areas of Bijnor.

Wishing the selected cadets Priyesh Ram Tripathi and Ashutosh Singh, MGUG Vice Chancellor Dr. Surinder Singh and Registrar Dr. Pradeep Kumar Rao said that trekking camps are filled with adventure and courage for every soldier. The challenges faced during the camp help cadets adapt to the harsh conditions of military life, instilling a resolve to serve the nation through discipline and the heat of military training.

राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्रीय कैडेट कोर

सम्पादक

डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

सहायक आचार्य (स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय)

कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना

सह सम्पादक

लेफ्टिनेंट (डॉ.) संदीप कुमार श्रीवास्तव

सहायक आचार्य (स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय)

एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर

ग्राफिक्स एवं डिजाइन

श्री शारदानन्द पाण्डेय

प्रकाशक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर उत्तर प्रदेश-273007

coordinator.nss@mgug.ac.in, mguniversitygkp@mgug.ac.in www.mgug.ac.in